हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 169, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 दिसम्बर, 2021 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

चुनाव 2022: उत्तराखंड को 18 हजार करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री मोदी बोले- अब यहां बह रही विकास की गंगा

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शनिवार को जनसभा के जरिये उत्तराखंड में 2022 के विधानसभा चुनाव का आगाज किया। इसके साथ ही उन्होंने 18 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण कर प्रदेश को सौगात दी। इसमें लगभग 8300 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा शामिल है। पीएम नरेंद्र मोदी वायु सेना के विमान से करीब 12:50 बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। यहां भाजपा नेताओं व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम चंद अग्रवाल, डीजीपी अशोक कुमार और मुख्य सचिव एस एस संधू ने उनका स्वागत किया।

गढ़वाली भाषा में की भाषण की शुरूआत- इसके बाद उन्होंने परेड मैदान में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने गढ़वाली में अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का सभी दाणा सयानो, दीदी भूलियो, चची और भय बहणों, आप सभी छ मेरा प्रणाम। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि उत्तराखंड का विकास डबल इंजन की सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बीते 5 वर्षों में उत्तराखंड के विकास के लिए केंद्र सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। यहां की सरकार इन्हें धरातल पर उतार रही है। इसी को आगे बढ़ाते हुए आज 18 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण किया गया है। बीते वर्षों की कड़ी मेहनत व अनेक प्रक्रिया से गुजरने के बाद ये दिन आया है। मैं केदारपुरी के बाद अब देहरादून से दोहरा रहा हूं। ये परियोजनाएं इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाएंगी। जो लोग पूछते हैं कि डबल इंजन की सरकार का क्या फायदा है, वह देख सकते हैं, कैसे ये सरकार विकास की गंगा बहा रही है।

विपक्ष पर साधा निशाना- पीएम ने कहा कि

दस साल में देश में जो घोटाले हुए, उसकी भरपाई के लिए हम दोगुनी रफ्तार से काम कर रहे हैं। आज भारत आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर दो लाख करोड़ से अधिक के निवेश के इरादे से आगे बढ़ रहा है। आज भारत की नीति दोगुनी तेजी से काम करने की है। 21वीं सदी के इस कालखंड में कनेक्टिविटी का एक ऐसा महायज्ञ चल रहा है जो भारत को विकसित देशों की संख्या में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 2007 से 2014 के बीच केंद्र सरकार ने उत्तराखंड में 600 करोड़ रुपये के केवल 288 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया। जबकि हमारी सरकार ने अपने 7 वर्षों में उत्तराखंड में 12,000 करोड़ रुपये के 2,000 किलोमीटर से अधिक के राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। कोरोनाकाल में उत्तराखंड में 50 से अधिक नए ऑक्सीजन प्लांट लगे हैं। आज प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, भावी पीढ़ी के भविष्य को मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

'उत्तराखंड का पाणी और जवानी उत्तराखंड के काम ही आली'- पीएम मोदी ने कहा कि पांच साल पहले मैंने कहा था, जो कहा था, उसको याद करने की ताकत राजनेताओं में जरा कम होती है। मुझमें है। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि उत्तराखंड का पाणी और जवानी उत्तराखंड के काम ही आली। एक समय पहाड़ पर रहने वाले लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का सपना ही देखते थे। हमें कब सड़क मिलेगी, बिजली मिलेगी, कब स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी, लेकिन जब कुछ करने का जुनून हो तो सूरत भी बदलती है और सीरत भी बदलती है। आज सरकार इस बात का इंतजार नहीं करती की लोग समस्या लेकर आएंगे। आज सरकार सीधे नागरिकों के पास जाती है। एक समय था कि उत्तराखंड में सवा लाख घरों में नल से जल पहुंचता था। आज सात लाख से ज्यादा घरों में जल पहुंच रहा है। पूर्व की सरकारों ने हर स्तर पर सेनाओं को निराश करने की कसम खाई हुई थी लेकिन हमारी सरकार दुनिया के किसी देश के दबाव में नहीं आती।

भारतीय निर्यात को बढ़ावा देना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स द्वारा आयोजित एमएसएमई कॉन्क्लेव को संबोधित किया। कॉन्क्लेव के दौरान उन्होंने कहा कि, भारतीय निर्यात को बढ़ावा देना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश को शुद्ध आयातक के बजाय शुद्ध निर्यातक बनना है। हमने 2024-25 तक तकरीबन 35हजार करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य रखा है, जिसे हम हर संभव कोशिश कर हासिल करेंगे। मौजूदा वक्त में भारत लगभग 70 देशों में निर्यात कर रहा है और स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट, 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत निर्यात के मामले में शीर्ष 25 देशों की सूची में है। SIDM द्वारा आयोजित MSME Conclave में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने अगले 5 पांच सालों के लिए 500 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। जिसकी मद्द से iDEX के लिए एक केंद्रीय योजना के तहत 2021-22 to 2025-26 तक करीब 300 स्टार्ट-अप / MSMEs और 20 पार्टनर इन्क्यूबेटरों को वित्तीय सहायता दी जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि स्टार्ट-अप्स/एमएसएमई को प्रोत्साहित करने के लिए 'मेक कैटेगरी' के तहत योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रस्ताव अनुरोध भी जारी किए जाएंगे।

कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद आई शांति निवेश और पर्यटन में भी आई तेजी : अमित शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित सिंह ने कहा कि कश्मीर में 370 हटने के बाद से शांति, निवेश और पर्यटकों में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा, 'जम्मू कश्मीर में जिस प्रकार का विकास इस समय हो रहा है, जिस प्रकार की कानून व्यवस्था वहां अब बनी है, इससे वहां पर्यटन भी बढ़ा है। जन कल्याण की योजनाओं का लाभ वहां के लोगों तक पहुंचाने में जम्मू कश्मीर आज अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का दावा करने के अलावा तीनों कृषि कानूनों पर भी गृह मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान बयान दिया। अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधासनभा चुनावों को लेकर अमित शाह ने कहा,' मैं पूरे विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में हम (भाजपा) प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने वाले हैं। अमित शाह ने दावा किया है कि भाजपा एक बार फिर से प्रचंड बहुमत के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में सरकार बनाएगी। अमित शाह ने स्पष्ट तौर पर कहा कि किसान आंदोलन का उत्तर प्रदेश के चुनाव में कोई असर नहीं पड़ेगा। एक कार्यक्रम में संबोधन करते हुए उन्होंने कहा कि ये सौभाग्य की बात है कि कोरोना महामारी आने के करीब 7 साल पहले ही देश में

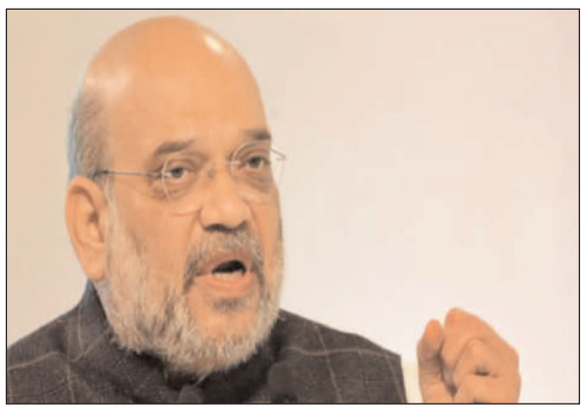

एक परिवर्तन हुआ। 2014 के बाद देश को एक राजनीतिक स्थिरता मिली है। शाह ने कहा,' लंबे समय तक देश में गठबंधन सरकारों का दौर रहा था। इसके दुष्परिणाम देश के प्रशासन, अर्थतंत्र और देश के भविष्य पर पड़े। 2014 के 10 साल पहले तक देश में बहुत सारे घपले, घोटाले हुए। इससे दुनिया में देश का सम्मान कम हुआ है।' उन्होंने कहा,' श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने ढेर सारे मामलों को बहुत धैर्य के साथ और दूरदर्शी तरीके से अपने हाथ में लिया। उनके आने के बाद गरीबों को भी देश के विकास में भागीदार बनाने का काम हुआ है।' इसके साथ ही अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसान आंदोलन को समाप्त करने के लिए बहुत बड़ा दिल दिखाकर तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया है। पंजाब में चुनाव विकास के आधार पर होगा। जिसका अच्छा प्रदर्शन होगा, उसकी सरकार बनेगी। साथ ही कहा कि देश के विशेषज्ञों के मेरा निवेदन है कि आंकड़ों का एक तुलनात्मक अध्ययन कर देश की जनता के सामने रखें कि किस सरकार के आने पर देश में ज्यादा विकास होता है। इतना ही नहीं पूर्वोतर के लिए भी अमित शाह ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि नॉर्थ ईस्ट में पिछले 2.5 साल में करीब 4,000 उग्रवादियों ने समर्पण किया है। देश का बहुत बड़ा क्षेत्र उग्रवाद की चपेट से बाहर आया है। पिछले 7 वर्षों में सबसे कम नकस्लवादी हिंसा देश में हुई है और ये लगातार कम हो रही है।

कल्याणकारी योजनाओं व विकास पर व्यापक बहस की आवश्यकता, साल में 100 दिन चले संसद : नायडू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाएं व विकास के बजाए मुफ्त में दान करने वाली

घोषणाओं पर व्यापक बहस की आवश्यकता है। इसके अलावा उन्होंने राज्यसभा में प्रतिवर्ष 100 दिन की कार्रवाई पर जोर दिया। कहा कि जब पार्टियां विपक्ष में होती हैं तो सदन में 100 दिन कार्रवाई की मांग करती हैं, लेकिन सत्ता में आते ही पार्टियां इस बात को भूल जाती हैं। उन्होंने संसद के साथ ही विधानसभाओं में भी प्रतिवर्ष 90 दिन की कार्रवाई पर जोर दिया। शनिवार को राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू पब्लिक अकाउंट कमेटी के 100 वर्ष पूरे होने पर संसद के सेंट्रल हॉल में सांसदों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकारों को खर्चे को सावधानीपूर्वक संतुलित करना चाहिए, जिससे अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं समान रूप से लागू की जा सकें। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करना सरकारों का एक सबसे बड़ा दायित्व है। इसलिए व्यापक बहस की आवश्यकता है। वेंकैया नायडू ने कहा कि संसदीय समितियों की बैठक में सांसदों ने शामिल होना छोड़ दिया है। इसलिए यह आत्मनिरीक्षण का समय है। इस दौरान उन्होंने फिजूलखर्च रोकने और संसाधनों का दुरुपयोग न करने पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने राजीव गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि एक रुपये में महज 16 पैसे ही जनता के पास पहुंचते हैं। आगे कहा कि यह किसी पर आरोप नहीं था, बल्कि व्यवस्था पर उठाया गया सवाल था। इस दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला और पीएसी अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी मौजूद रहे।

चीफ जस्टिस ने दिया 'महाभारत' का उदाहरण: मध्यस्थता से काम लें, वर्षों तक कोर्ट के चक्कर में समय बर्बाद मत करें

हैदराबाद। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने शनिवार को हैदराबाद में कहा कि अंतिम समय में कोर्ट का सहारा लेना चाहिए। यहां के मध्यस्थता केंद्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि कोर्ट जाने से पहले मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए। एनवी रमना ने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से कम समय में समाधान पाया जा सकता है। वर्षों तक अदालतों के चक्कर में समय बर्बाद करने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि संपत्ति का वितरण परिवार के सदस्यों द्वारा सौहार्दपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों के जल्द से जल्द निपटाने की बात पर भी जोर दिया। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा, 'महाभारत में भी मध्यस्थता का उल्लेख किया गया था। हम मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को समाप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाभारत में भगवान कृष्ण ने पांडवों और कौरवों के बीच मध्यस्थता का प्रयास किया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जहां तक संभव हो, महिलाओं को विवादों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र की

स्थापना के लिए सही जगह है। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र के कुशल कामकाज को सुनिश्चित करने और नियमों का मसौदा तैयार करने के लिए दुनिया भर के बेस्ट प्रैक्टिस को ध्यान में रखा जा रहा है। वहीं, उन्होंने हैदराबाद मध्यस्थता केंद्र की तुलना सिंगापुर इंटरनेशनल सेंटर और लंदन इंटरनेशनल सेंटर जैसे मध्यस्थता संस्थानों के साथ की।

बांके बिहारी व श्री कृष्ण जन्मभूमि दर्शन करने पहुंची कंगना, कहा- ये जगह खूबसूरती से परे है

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट अपने बेबाक अंदाज के चलते सोशल मीडिया चर्चा में रहती हैं। वो अक्सर देश के समसमयिक मुद्दों पर अपनी राय भी व्यक्त करती रहती हैं। शनिवार को वो मथुरा-वृंदावन ठा. बांके बिहारी और श्री कृष्ण जन्मभूमि के दर्शन के लिए पहुंची हैं। जिसकी जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं।

कंगना ने इंस्टाग्राम पर अपनी मथुरा वृंदावन की कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो बेहद खुशी और भक्ति से सराभोर नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वो एक बच्चे से अपने चेहरे पर चंदन लगवाती दिख रही हैं और दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री मंदिर परिसर में ठा. बांके बिहारी जी के दर्शन करती हुई नजर आ रही हैं। जबकि चौथी तस्वीर में वो अपने हाथों में प्रसाद लिए हुए गाड़ी में बैठी हुई दिख रही हैं। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, मथुरा में दिव्य कृष्ण जन्म

भूमि के दर्शन किए... ये एक बहुत ही सवेंदनशील स्थान है जहा भारी सुरक्षा है और किसी को भी तस्वीर लेने की अनुमति नही है। लेकिन वो जेल जहां माता देवकी और श्री कृष्ण और श्री वासुदेव जी को रखा गया था। वो आंशिक रूप से आगंतुकों के लिए उपलब्ध है। उन्होंने आगे लिखा कि मुझे बताया गया कि छह और भूमिगत जेल कक्ष हैं। जिनका उल्लेख हमारे शास्त्रों में है। साथ ही उन्होंने जन्मभूमि पर मौजूद सुरक्षा बल को लेकर कहा कि ये भारत की कोई सीमा नहीं है। ये कृष्ण जन्मभूमि है यहां विशाल सशस्त्र बलों को देखकर दुख होता है। वहीं उन्होने यमुना नदी को पार करते हुए कल्पना की है कि कैसे वासुदेव ने कृष्ण को अपने सिर पर लेकर बारिश में यमुना जी को पार किया था। ये जगह खूबसूरत से परे है। बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो सर्वेश मेवारा के निर्देशन में बनी फिल्म तेजस में नजर आने वाली हैं इस फिल्म में कंगना एक भारतीय वायु सेना के आधिकारी के मुख्य किरदार में नजर आएगी।

आत्मनिर्भर भारत: केंद्र ने उत्तर प्रदेश में 5 लाख से अधिक AK-203 असाल्ट राइफलों को बनाने की अनुमति दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अङ-203 असाल्ट राइफलों को बनाने की अनुमति यूपी में दे दी है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, देश में रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए, केंद्र ने उत्तर प्रदेश के कोरवा (अमेठी) में पांच लाख से अधिक AK-203 असाल्ट राइफलों के उत्पादन की योजना को मंजूरी दी है। इस कदम के साथ, 7.62 39 मिमी कैलिबर AK-203 राइफल्स तीन दशक पहले शामिल इन-सर्विस INSAS राइफल की जगह लेगी। सरकार के अनुसार, AK-203 राइफलें आतंकवाद और आतंकवाद विरोधी अभियानों में भारतीय सेना की परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाएगी। इसके अलावा, यह परियोजना विभिन्न एमएसएमई और अन्य रक्षा उद्योगों को कच्चे माल और घटकों की आपूर्ति के लिए व्यावसायिक अवसर प्रदान करेगी, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यह परियोजना इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड नामक एक विशेष प्रयोजन के संयुक्त उद्यम द्वारा कार्यान्वित की जाएगी। यह भारत के तत्कालीन ओएफबी [अब एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) और मुनिशन

इंडिया लिमिटेड (एमआईएल)] और रूस के रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (आरओई) और चिंता कलाश्निकोव के साथ बनाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह रक्षा अधिग्रहण में खरीद (वैश्विक) से मेक इन इंडिया में लगातार बढ़ते प्रतिमान को दशार्ता है। यह प्रयास रूस के साथ साझेदारी में किया जाएगा और रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच गहरी होती साझेदारी को भी दिखाता है।

ओडिशा भी चक्रवात 'जवाद' से निपटने के लिए तैयार, आंध्र प्रदेश के तट से टकराएगा तूफान

नई दिल्ली। चक्रवात 'जवाद' वर्तमान में विशाखापत्तनम के दक्षिण-पूर्व में लगभग 210 किमी और पुरी से 390 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। ओडिशा के अधिकारी के मुताबिक, चक्रवात कमजोर पड़ने के संकेत दे रहा है। चक्रवात कल शाम तक ओडिशा से दूर चला जाएगा। चक्रवात 'जवाद' को ध्यान में रखते हुए ओडिशा भी अलर्ट है। यहां पर संवेदनशील इलाकों से लोगों को निकालने का काम जारी है। पुरी जिलाधिकारी समर्थ वर्मा ने बताया कि चक्रवात के बाद बिजली और पेयजल आपूर्ति जैसी सेवाओं की बहाली के लिए टीमें तैयार हैं।

चक्रवात आश्रयों में रहने वालों को गर्म भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। आंध्र प्रदेश के तट से आज चक्रवात तूफान 'जवाद' टकराएगा। राज्य में लगातार बारिश दर्ज हो रही है। कुछ स्थानों पर 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं है। इतना ही नहीं प्रदेश की सरकार ने अलर्ट भी जारी कर दिया है। स्कूल-कालेज को भी बंद कर दिए गए हैं। प्रशासन लगातार अलर्ट मोड में है। इस तूफान से निपटने के लिए राज्य सरकारों ने पूरी तैयारी कर ली है। चक्रवात तूफान 'जवाद' को लेकर प्रशासन पहले ही अलर्ट मोड पर है। बंगाल की खाड़ी से उठे इस चक्रवात का असर सबसे ज्यादा आंध्र प्रदेश-ओडिशा और बंगाल में देखने को मिल सकता है। जानमाल के संभावित नुकसान से बचने के लिए आंध्र प्रदेश

सरकार ने अलर्ट घोषित कर दिया है। स्कूल-कालजों के साथ कई ट्रनों को रद कर दिया गया है। इसके अलावा बंगाल और ओडिशा में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। ओडिशा के पुरी में भी चक्रवात तूफान जवाद को लेकर चेतावनी जारी की गई है। सभी मछुआरों को समुद्र में ना जाने की सलाह दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की माने तो जवाद के आज उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद पुरी में आज भारी बारिश हो हो सकती है। इस दौरान 80 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। IMD ने यह भी बताया है कि चक्रवाती तूफान अस्थायी अवधि के लिए समुद्र में बड़े तूफान में तब्दील हो जाएगा और 110 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम जिले से 3- 4 दिसंबर को लगभग 65 ट्रेनों को रद कर दिया गया है। शुक्रवार को पूर्वी तट रेलवे ने यह जानकारी दी है। पूर्वी तट रेलवे के शीर्ष अधिकारी ए.के. त्रिपाठी ने कहा कि चक्रवात जवाद के चलते इन सभी ट्रेनों का रद किया गया है। तूफान के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी विशाखापट्टनम और श्रीकाकुलम जिलों के सभी स्कूलों को शनिवार तक बंद करने का आदेश दिया है। चक्रवात तूफान से निपटने को लेकर केंद्र व राज्य सरकारें पूरी तरह अलर्ट हैं। बता दें कि चक्रवाती तूफान जवाद के चलते तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है।

मदुरै में कड़े हुए कोविड-19 नियम, बिना वैक्सीनेट हुए नहीं मिलेगा होटल, न होगी माल्स में एंट्री

मदुरै। भारत में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन ने दस्तक दे दी है। देशभर में नए वैरिएंट को गंभीरता से लिया जा रहा है। तमिलनाडु के जिले मदुरै में कोविड-19 के नियमों को एक बार फिर से कड़ा किया जा रहा है। मदुरै जिला प्रशासन ने कहा है कि बिना टीकाकरण वाले लोगों को होटल, शापिंग माल्स और अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों जैसे सार्वजनिक स्थानों में एक सप्ताह के बाद प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिला प्रशासन कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के आगामी संकटों को देखते हुए सख्त रवैया अपना रहा है। प्रशासन ने लोगों को कोविड-19 वैक्सीन की कम से कम एक खुराक लेने के लिए अगले एक सप्ताह का समय दिया है। मदुरै जिला कलेक्टर अनीश शेखर ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि लोगों को कोविड-19 वैक्सीन के लिए कम से कम एक खुराक लेना अनिवार्य होगा, जिसके लिए उन्हें एक सप्ताह का समय दिया गया है। मदुरै जिला कलेक्टर अनीश शेखर ने देश में नए वैरिएंट ओमिक्रोन को गंभीरता से लेते हुए कोविड-19 नियमों को कड़ा करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, 'केवल कोरोना वायरस वैक्सीन प्रमाणपत्र वाले लोगों को भीड़-भाड़ वाले जगहों पर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। बिना वैक्सीन वाले लोगों को हॉस्टल, बार, शापिंग माल्स, शराब की दुकानें, होटल, व्यवसाय, शैक्षणिक संस्थान, बाजार, थिएटर और मैरिज हाल में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।' अनीश ने आगे कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर आने वाले लोगों को कम से कम पहली खुराक का टीका लगा होना चाहिए। जिला कलेक्टर अनीश ने बताया कि मदुरै में लगभग तीन लाख लोगों को वैक्सीन की एक भी खुराक नहीं मिली है। उन्होंने कहा, 'मदुरै जिले में 71.6 फीसद लोगों को पहली खुराक और 32.8 फीसद लोगों को दूसरी खुराक का टीका लगाया गया है, जिनमें 3 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें दूसरी समय सीमा के बाद भी कोविड-19 टीकाकरण का एक भी खुराक नहीं लगाया गया है।'

चिंतन मनन

नासा की पहल

एस्टेरायड के हमलों से बचाने के लिए नासा ने अंतरिक्ष में मौजूद एक उल्कापिंड को अपने अंतरिक्ष यान से जोरदार टक्कर कराने के लिए फाल्कन राकेट को अंतरिक्ष में रवाना कर दिया है। यह इस तरह का पहला मिशन है। अगर इसमें सफलता मिलती है, तो भविष्य में उन विशाल उल्कापिंडों को धरती पर आने से रोका जा सकेगा, जो यहां जीवन के लिए खतरा बन सकते हैं। नासा के वैज्ञानिक यह देखना चाहते हैं कि डिमोफोर्स की गति और रास्ते को कितना बदला जा सकता है। हालांकि, डिमोफोर्स से पृथ्वी को कोई खतरा नहीं है। यह भविष्य में पृथ्वी की ओर आने वाले ऐसे खतरों से निपटने का तरीका सीखने का पहला प्रयास है, यानी कल को कोई ऐसा पिंड या मलबा धरती की ओर आया, तो उसे कैसे दूर रखा जा सकता है। 24 नवंबर, 2021 को फाल्कन 9 राकेट, डार्ट अंतरिक्ष यान को कैलिफोर्निया के वेंडेबर्ग स्पेस फोर्स बेस से अंतरिक्ष में रवाना कर दिया गया। उल्कापिंड, सौर मंडल के बचे हुए खंड हैं, जिनमें से अधिकांश से पृथ्वी के लिए कोई खतरा नहीं होता। लेकिन जब ऐसी कोई चट्टान सूर्य का चक्कर लगाते हुए पृथ्वी की ओर बढ़ती, तो टक्कर की आशंका हो सकती है। 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर लागत का डार्ट मिशन, उल्कापिंड की जोड़ी को निशाना बनाएगा, जो इस वक्त एक-दूसरे की परिक्रमा कर रहे हैं। ऐसी परिक्रमा को बाइनरी कहा जाता है। इन दोनों में से बड़े उल्कापिंड का नाम है डिडिमोस, जो करीब 780 मीटर में फैला है। डिमोफोर्स करीब 160 मीटर चौड़ा है। पिछले कई सालों से बेन्नू नाम के एक उल्कापिंड की चर्चा दुनिया भर में हो रही है। कहा जा रहा है कि आने वाले सालों में यह पृथ्वी से टकरा सकता है। आखिर कब पृथ्वी से इसकी टक्कर होगी, इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। लेकिन अब नासा ने सारी अटकलों पर विराम लगा दिया है। नासा के मुताबिक बेन्नू के धरती से टकराने की आशंका बहुत कम है। अगर ऐसा हुआ तो इसकी टक्कर 24 सितंबर, 2182 को हो सकती है। बेन्नू की पृथ्वी से टकराने की आशंका पहले से ज्यादा है, लेकिन वैज्ञानिक इसको लेकर चिंतित नहीं हैं। गौरतलब कि नासा पहले बेन्नू को लेकर काफी चिंतित था, लिहाजा उसने इस एस्टरायड पर अंतरिक्ष यान भेजा। ओसिरिस आरइएक्स के इस अंतरिक्ष यान को 2018 में भेजा गया। 2020 के अंत में उल्कापिंड की सतह पर यह सफलतापूर्वक उतरने में कामयाब रहा। इसके बाद इस यान ने नमूने भेजने शुरू किए। अंतरिक्ष यान ने बताया कि बेन्नू एक बहुत ही डार्क और प्राचीन उल्कापिंड है। नासा के एक बयान में कहा गया है कि बेन्नू की सतह से नमूने जमा कर अंतरिक्ष यान ने भेजा है, जिससे बेहतर भविष्यवाणी करने के लिए सटीक आंकड़ा मिल रहा है। करीब साढ़े चार अरब साल पहले जब हमारा सौर मंडल बना था, तब गैस और धूल के ऐसे बादल, जो किसी ग्रह का आकार नहीं ले पाए और पीछे छूट गए, वही इन चट्टानों यानी उल्कापिंडों में तब्दील हो गए। यही वजह है कि इनका आकार भी ग्रहों की तरह गोल नहीं होता। ब्रह्मांड में कई ऐसे उल्कापिंड हैं, जिनकी परिधि सैकड़ों मील की होती है और ज्यादातर किसी छोटे से पत्थर के बराबर होते हैं। ग्रहों के साथ ही पैदा होने के कारण इन्हें अध्ययन करके ब्रह्मांड, सौर मंडल और ग्रहों की उत्पत्ति से जुड़े सवालों के जवाब खोजे जा सकते हैं। अगर किसी तेज रफ्तार चट्टान के धरती से करीब 46 लाख मील से करीब आने की संभावना होती है, तो उसे अंतरिक्ष संगठन खतरनाक मानते हैं। नासा का सेनटरी सिस्टम ऐसे खतरों पर पहले से ही नजर रखता है। इस प्रणाली के मुताबिक जिस उल्कापिंड से धरती को वाकई खतरे की आशंका है, वह अभी 850 साल दूर है। हालांकि, वैज्ञानिकों को विश्वास है कि आने वाले वक्त में प्लेनेटरी डिफेंस सिस्टम विकसित कर लिया जाएगा, जिस पर काम पहले ही शुरू हो चुका है।

है प्रकृति नाराज!

आ रहा तूफान ।
जा रहा तूफान ।।
देख कर ये सब कुछ ।
भय में है इंसान ।।
मंजर जो तबाही ।
पड़ते रहे निशान ।।
आहट होते खत्म ।
हो जाता सुनसान ।।
ना टला है खतरा ।
है प्रकृति नाराज ।।
हुआ ऐसा मौसम ।
क्या आखिर है राज ?
आती है चेतावनी ।
रहना सावधान ।।
है संभल कर रहना ।
जान ही जहान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

संसद और विधानसभा में शेर की तरह दहाड़ने वाले नेताओं के लिए तरसता पूर्वांचल

मूलतः संसदीय लोकतंत्र का मौलिक सिद्धांत यह है कि-संसद और विधानसभा में शानदार , धारदार , तथ्यपरक और तर्कपूर्ण बहस होगी तभी जनता के पक्ष में शानदार नीतियां बनेगी। किसी भी देश के समग्र, संतुलित और सर्वांगीण विकास के लिए दूरगामी और दूरदर्शितापूर्ण नीतियों और निर्णयों की आवश्यकता होती हैं। दूरगामी और दूरदर्शिता पूर्ण नीतियों के निर्माण के लिए संसद और विधानमंडल में स्वस्थ्य, तार्किक , तथ्यपरक और व्यापक बहस आवश्यक है। स्वाधीनता आन्दोलन के दौरान पूर्वांचल से ऐसे शूरवीर और सूरमा निकलते रहे जिनके त्याग बलिदान शौर्य पराक्रम के किस्से और कारनामे भारत के राष्ट्रीय इतिहास में स्वर्णाकिंत है। इसी परम्परा में स्वाधीनता उपरांत पूर्वांचल की माटी से ऐसे ओजस्वी नेता प्रखर वक्ता संसद और विधानसभा में पहुँचते रहे जो शेर की तरह दहाड़ते थे और जिनके धारदार तर्कों के आगे पूरी संसद और विधानसभा निढाल हो जाया करती थी। दुर्भाग्यवश आज जातिवादी समीकरणों की कोख से पैदा हुए जुबानी तौर पर तोतले,हकले और लगभग गूंगे-बहरे नेताओं की बाढ आ गई है। इसका एक प्रमुख कारण राजनीतिक दलों में बढती आलाकमान संस्कृति भी है। प्रायः अधिकांश राजनीतिक दलों में शीर्षस्थ नेतृत्व प्रखर, प्रबुद्ध, तार्किक और ओजस्वी नेताओं से परहेज करते हैं और हाँ में हाँ मिलाने वाले और महज इशारे पर मेज थपथपाने वाले नेताओं को पसंद करते हैं। लगभग नब्बे के दशक तक पूर्वांचल में ऐसे नेताओं की लम्बी कतार हुआ करती थी। ध्यातव्य हो कि- मंडल और कमंडल की राजनीति के आगमन के उपरांत तथ्य परक, तार्किक और प्रबुद्धता से बहस करने वाले नेताओं के बजाय बद्जुबान और प्रतिक्रियावादी भाषण बोलने वाले नेताओं की बाढ-सी आ गई।

पूर्वांचल के जिन दिग्गज नेताओं से पूर्वांचल का इतिहास गौरवान्वित होता हैं उनमें पंडित अलगू राय शास्त्री (घोसी लोकसभा), क्रांतिकारी जयबहादुर सिंह(घोसी लोकसभा), क्रांतिकारी सरजू पाण्डेय (गाजीपुर) झारखंडेय राय (घोसी लोकसभा), विकास पुरुष कल्पनाथ राय (घोसी) सत्तर के दशक में युवा तुर्क के नाम से मशहूर श्री चन्द्रशेखर (बलिया) विश्वनाथ सिंह गहमरी (गाजीपुर) बाबू मोहन सिंह(देवरिया), समाजवादी पृष्ठभूमि के श्री चन्द्रशेखर सिंह(चिरईगॉव) श्री चन्द्रजीत यादव (आजमगढ़), स्वाधीनता संग्राम सेनानी बाबू इन्द्रासन सिंह (सगडी)प्रखर शिक्षाविद श्री पंचानन राय (सगडी) कामरेड ऊदल (कोयसला विधानसभा) जैसे बहुतायत नेता थे जिनकी प्रतिभा प्रबुद्धता और वाणी की प्रखरता और ओजस्वीता संसद और विधानसभा में सिर चढकर बोलतीं थी। संविधान सभा के सदस्य और 1952 के प्रथम आम निर्वाचन में घोसी लोक सभा से निर्वाचित पंडित अलगू राय शास्त्री जैसे मूर्धन्य विद्वान तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु से ऑख में ऑख मिलाकर बहस करते थे। उनके विद्वतापूर्ण विचारों को सम्पूर्ण सदन गम्भीरता से सुनता था। कांग्रेस में रहते हुए या गैर कांग्रेसवाद की राजनीति करते हुए बागी बलिया की माटी में एक आम किसान परिवार में पैदा हुए युवा तुर्क चन्द्रशेखर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषयों पर बोलते थे तो पूरे सदन में सन्नाटा पसर जाता था। संसदीय परम्परा और शिष्टाचार में विश्वास करने वाले राजनीतिक विश्लेषक आज भी चन्द्रशेखर द्वारा संसद में दिये गए भाषणों को याद करते हैं। 1962 मे घोसी लोक सभा से निर्वाचित अपने पुरखों द्वारा विरासत में मिली सोलह छांवनिया गरीबों में बाँटने वाले सूरज पुर के जमींदार जयबहादुर सिंह द्वारा संसद और सडक पर दिये गये क्रांतिकारी भाषणों पर उस दौर की पीढी गर्मजोशी से चर्चा करतीं हैं।1968 मे ऊर्दू को दूसरी जबान का दर्जा दिलाने के लिए आमरण अनशन करते दौरान जयबहादुर सिंह के निधन पर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी कहा था कि-पूर्वांचल का शेर दुनिया से चला गया। पूर्वांचल के हर मस्तक को गौरवान्वित करने वाला तथ्य यह है कि- 9 मई 1946 को जयबहादुर सिंह ने लगभग पैत्तीस हजार किसानों ,मजदूरों,बुनकरों और नौजवानों के साथ तत्कालीन अंग्रेज कलेक्टर को घेर लिया था । जिसकी चर्चा लंदन स्थित ब्रिट्रिश पार्लियामेंट में हुई थी कि-एक पॉच फुट छ इंच का आदमी अपने पैत्तीस हजार लोगों के साथ लगातार छ घंटे से भाषण दे रहा है परन्तु जनता टस से मस नहीं हो रही हैं। जयबहादुर सिंह की परम्परा में गाजीपुर के सांसद रहे श्रद्धेय सरजू पाण्डेय के भाषण की गूंज संसद सुनी जाती हैं। सरजू पाण्डेय के व्यक्तित्व और ईमानदार चरित्र के कारण उत्तर प्रदेश के दूसरे दलों के मुख्यमंत्री भी उनका बहुत आदर सम्मान करते थे। इसी परम्परा में साहित्य और अदब की जरखेज जमींन आजमगढ़ से पूर्व इस्पात मंत्री श्री चन्द्रजीत यादव ने अपने शानदार व्यक्तित्व कृतित्व और ओजस्वी वाणी के दम पर राष्ट्रीय क्षितिज पर अपनी पहचान बनाई थी। उनकी प्रखरता, प्रतिभा और राजनीतिक समझदारी से प्रभावित होकर श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने अपने मंत्रिमंडल में इस्पात मंत्री बनाया था। आजमगढ़ के पूर्वी छोर पर सगडी विधानसभा से 1962 में विधायक चुने गए स्वाधीनता संग्राम सेनानी बाबू इन्द्रासन सिंह ने अपने त्याग ,बलिदान संघर्ष और ईमानदारी के उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी में कोषाध्यक्ष का पद हासिल किया था। शेर-दिल-अंदाज बाबू इन्द्रासन सिंह ने बेबाक बोली-वाणी की बदौलत अपने दौर के समस्त मुख्यमंत्रियो पंडित गोबिन्द बल्लभ पंत,श्री सम्पूर्णानन्द और सुचेता कृपलानी से बेहतर संबंध स्थापित कर लिए थे। महान शिक्षाविद शिक्षक राजनीति की अनमोल धरोहर रहे स्वर्गीय पंचानन राय जब विधान परिषद और विधानसभा में बोलने के लिए खडे होते थे तो पूरा सदन गम्भीरता से सुनता था। अपनी उत्कट तार्किक दक्षता, प्रबुद्धता और प्रखरता से श्री पंचानन राय मंत्रिपरिषद सहित सम्पूर्ण सदन का ध्यान आकर्षित कर लेते थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के 1977 के आंदोलन की कोख से उपजे देवरिया से विधायक और सांसद रहे बाबू मोहन सिंह अपनी प्रबुद्धता और ओजस्विता के कारण उत्तर प्रदेश की विधानसभा और देश की संसद में शानदार वक्ताओं की श्रेणी में गिने जाते थे। पहली बार में ही इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष के लिए निर्वाचित हुए बाबू मोहन सिंह महज 27 वर्ष में देवरिया से विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। श्रद्धेय श्री जनेश्वर मिश्र, श्री कपिल देव सिंह और डॉ रामकमल राय की परम्परा के प्रख्यात समाजवादी चिंतक और विचारक बाबू मोहन सिंह के भाषणो को आज भी समस्त उत्तर भारत का बौद्धिक समुदाय स्मरण करता है। शानदार, धारदार, तथ्य परक और तार्किक दमदारी से संसद और विधानसभा में अपनी बात रखने वाले नेताओं को भेज कर ही संसदीय लोकतंत्र के मौलिक स्वरुप को साकार कर सकते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि- प्रखर ,प्रबुद्ध और प्रतिभाशाली बहस कताओं के साथ-साथ सडक पर संघर्ष करने वाले नेताओं की कतार भी धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
बापू स्मारक इंटर कॉलेज दरगाह मऊ ।

चीनी चंगुल और यूरोपीय मदद

जो काम भारत को करना चाहिए था, वह अब यूरोपीय संघ करेगा। चीन ने ह्यरेशम महापथह्न की अपनी पुरानी चीनी रणनीति को नया नाम देकर एशिया और अफ्रीका में फैला दिया है। भारत के लगभग सभी पड़ौसी राष्ट्रों को उसने अपने बंधन में बांध लिया है। लगभग सभी उसके कर्जदार बन गए हैं। उसने एशिया और अफ्रीका के देशों को एक विशाल सड़क से जोड़ने की योजना तो बनाई ही है, वह इन देशों में बंदरगाह, रेलवे, नहर, बिजलीघर, गैस और तेल की पाइपलान वगैरह कई चीजें बनाने का लालच उन्हें दे रहा है। इन निर्माण-कार्यों से इन देशों को अरबों-खरबों रु. का टैक्स मिलने के सपने भी दिखा रहा है। उसने लगभग 65 देशों से भी ज्यादा को अपने चंगुल में फंसा लिया है। अब तो 139 देशों ने इस चीनी पहल से सहमति जताई है। इन देशों की कुल जीडीपी वैश्विक जीडीपी की 40 प्रतिशत है। अभी तक चीन ने एशिया और अफ्रीका के जिन देशों को मोटे-मोटे कर्ज दिए हैं, यदि उनके मूल दस्तावेज आप पढ़ें तो उनकी शर्तें जानकर आप भौंचक रह जाएंगे। यदि निश्चित समय में वे राष्ट्र चीनी कर्ज नहीं चुका पाएंगे तो उन निर्माण-कार्यों पर चीन का अधिकार हो जाएगा। चीन उनका संचालन करेगा और अपनी राशि ब्याज समेत वसूल करेगा या किंही दूसरे स्थलों को अपने नियंत्रण में ले लेगा। एक अर्थ में यह नव-उपनिवेशवाद है। इसका मुकाबला भारत को कम से कम दक्षिण और मध्य एशिया में तो करना ही था। उसे नव-उपनिवेशवाद नहीं, इस क्षेत्र में वृहत परिवारवाद का परिचय देना था लेकिन अब यह काम यूरोपीय संघ करेगा। उसने घोषणा की है कि वह चीन के रेशम महापथ की टक्कर में ह्यविश्व महापथह्न प्रारंभ करेगा। वह 340 अरब डॉलर लगाएगा और अफ्रो-एशियाई देशों को समग्र विकास के लिए अनुदान देगा। चीन की तरह वह ब्याजखोरी नहीं करेगा। उसकी कोशिश होगी कि वह इन विकासमान राष्ट्रों को प्रदूषण-नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल, हवाई अड्डे, सड़क-नहर निर्माण तथा अन्य कई क्षेत्रों में न सिर्फ आर्थिक मदद देगा बल्कि हर तरह का सहयोग करेगा ताकि इन देशों के साथ उसका व्यापार भी बढ़े और इन देशों के लोगों को नए-नए रोजगार भी मिलें। चीन भी इन देशों में रोजगार बढ़ाता है लेकिन वह सिर्फ चीनी मजदूरों का ही बढ़ाता है। यूरोपीय संघ उत्तर-अफ्रीकी देशों को आपस में जोड़नेवाला एक भूमध्यसागरीय महापथ भी बनानेवाला है। यूरोपीय संघ की यह उदारता सर्वथा सराहनीय है लेकिन हम यह न भूलें कि यूरोप की समृद्धि का रहस्य उसके पिछले 200 साल के उपनिवेशवाद में भी छिपा है। यूरोप हो, अमेरिका हो या रूस हो, इनमें से प्रत्येक राष्ट्र की मदद के पीछे उसका राष्ट्रहित भी निहित होता ही है लेकिन वह चीन की तरह अपने चंगुल में फंसाने के लिए नहीं होती। मुझे प्रसन्नता तब होगी जबकि दक्षिण और मध्यएशिया के लगभग 16 देशों में यूरोप की तरह एक साझा बाजार, साझी संसद और साझा महासंघ बन जाएगा।

MATHEMATICAL POEM

Truth says – in step by step,
As are you experience in a normalest.
Goodness says – in one by one,
As you posses some secrets.
Beauty says – in way to way,
As you follows some assumptions.
These are all be your wings,
This is mathematics, …….
Whose attempt to you in a great way,
Those moves just like on a highway.
As creator of your universe, known as Algebra.
An ignorant feel on you, as like Cobra.
Which is your main traits,
This is mathematics, …….
You are a unique in a world,
As sun and moon.
They are not runs as much as,
As you soon.Although sun is set,
moon is rise.
But if you are set,
No one rise, no one rise.
This is your greatness,
This is mathematics, ….

Nitesh K. Mishra
M.Sc. (maths), CTT

कुसुमलता गोयल, एक ममतामयी मां का जाना!

जीवन के आखिरी दिनों में शारिरीक रुग्णता के कारण असहाय रही कुसुमलता गोयल ने जीवटता कभी नही छोड़ी।रुग्णता के दौर में जब वे बेसुध पड़ी रहती थी तब भी,मेरे आने की आहट सुनते ही न जाने कहा से उनमे चेतना और स्फूर्ति आ जाती ।वे उठकर बैठ जाती।फिर शिकायत भरे लहजे में कहती,भाई !कहां है तू,लगता है हमें भूल गया? या फिर मेरे मरने पर ही आएगा।लेकिन जैसे ही मैं उन्हें कहता,चाची जी,क्यो ऐसा कहती हो,आप कही नही जाने वाली,मैंने ऊपरवाले से आपका स्टे लिया हुआ है।इतना सुनते ही ,वे खिलखिला कर हंसने लगती थी।फिर कहती भाई तू ,आता रहा कर,बहु व बच्चों को भी लेकर आना,बहुत मन करता है ,उन्हें देखने का।यह आत्मीय लगाव ही मुझे बार बार उनसे मिलने को लालायित करता था।मेरा उनसे मात्र कुछ वर्षों का सम्बंध नही था ।बल्कि लगभग 35 वर्षों से मुझे उनका सानीदय,स्नेह,आशीर्वाद, पालना निरंतर मिलता रहा ।सहारनपुर के प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व विधान परिषद सदस्य डॉ जयगोपाल के माध्यम से मुझे ग्रामीण जनता से जुड़ने और पत्र के सम्पादक डॉ एनआर गोयल की छत्रछाया में रहने का सौभाग्य मिला।ग्रामीण जनता के लिए पहले कई वर्षों तक नारसन क्षेत्र से प्रतिनिधित्व किया और फिर रुड़की में ग्रामीण जनता के समाचार सम्पादक के रूप में कार्य किया।जिसके लिए मेरी नियमित सिटिंग ग्रामीण जनता कार्यालय में होने लगी।सात आठ साल तक चले इस सेवा कार्य के दौरान प्रायः हर रोज चाची जी के हाथ की बनी चाय पीने को मिलती।वे मुझे हमेशा खाना खाने के लिए कहती और मना करने पर नाराज भी हो जाती थी।सचमुच अन्नपूर्णा थी हमारी कुसुमलता गोयल चाची जी।जहां डॉ एनआर गोयल जी मुझकर बेहद विश्वास करते थे,वही चाची जी का मेरे प्रति विश्वास कम नही था।

तभी तो उन्होंने उस दौर में जब मेरी वकालत शुरू ही हुई थी और आमदनी बहुत कम थी,मुझे आर्थिक मजबूती देने के लिए डॉ एनआर गोयल जिन्हें हमेशा मैंने चाचाजी सम्बोधन के साथ अपना गुरु माना से ग्रामीण जनता द्वारा जो मानदेय मिलता था,उसका चैक हमेशा बिना धनराशि अंकित किए ही मुझे मिलता था,गोयल साहब ,हमेशा चैक देते हुए कहते थे,बेटा ,जितने पैसों की जरूरत हो ,उतने भर लेना, ग्रामीण जनता की प्रोपराइटर होने के नाते चैक पर हस्ताक्षर चाची जी कुसुमलता गोयल के होते थे,यह बात दीगर है कि मैंने चैक में पांच सौ रुपये से अधिक की राशि कभी नही भरी,क्योंकि मुझे उस समय उतनी ही राशि मानदेय के रूप में उचित लगती थी।ग्रामीण जनता वालो के यहां रामायण का पाठ वर्षो तक निर्बाध होता रहा।उस घर मे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हेमवतीनंदन बहुगुणा से लेकर मुख्य सचिव तक आए, उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मंत्री चौधरी यशपाल सिंह का तो ग्रामीण जनता दूसरा घर था।वही पंजाब के गर्वनर वीरेंद्र वर्मा भी ग्रामीण जनता और पत्र के प्रधान सम्पादक डॉ एनआर गोयल के मुरीद थे।विधान परिषद सदस्य रहे स्वाधीनता सेनानी डॉ जयगोपाल, पंडित ताराचंद वत्स जो मेरे मामा जी थे,भी गोयल साहब को बहुत मानते थे।इस घर मे नवभारत टाइम्स के सम्पादक राजेंद्र माथुर ,कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर जैसी बड़ी हस्तियां समय समय पर आती रही,जिनकी सेवा भाव के लिए कुसुमलता गोयल हमेशा तत्पर रही।उनकी रसोई में बने पकवानों की तारीफ हर कोई करता था।हरिद्वार के तत्कालीन जिलाधिकारी भगत सिंह वर्मा तो प्रायः हर सप्ताह ही ग्रामीण जनता के कार्यालय आ जाते थे।उन्होंने गोयल साहब को एक कार भी भेंट करने की कोशिश की,ताकि स्कूटर से उन्हें आना जाना न पड़े,लेकिन गोयल साहब ने विन्रमता से उनका आग्रह अस्वीकार कर दिया।कुसुमलता गोयल ने कभी गोयल साहब को ऐसे धन के लिए नही कहा,जो अनुचित हो।वे जब कभी पैसों की तंगी हुई तब भी खुश रहती थी और कम खर्च में अच्छा गुजारा करना उन्हें अच्छे से आता था।धार्मिक विचारों से ओतप्रोत कुसुमलता गोयल की आध्यात्मिक सोच के चलते ही उनके घर स्वामी कल्याण देव,पथिक जी महाराज, स्वामी सत्यमित्रानंद जैसे सन्तो के चरण पड़ते थे।ऐसी महान विदुषी कुसुमलता गोयल चाची जी,जो मेरे किए मां ही थी, को शत शत नमन।

तुलना से हीनभावना का शिकार हो जाता है बच्चा

कई बार अभिभावक दूसरे बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित होकर कभी-कभी अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से कर बैठते हैं। उनको इसका भान नहीं होता कि उनके इस रवैये का प्रभाव आपके बेटी-बेटे के नाजुक मानस पटल पर कितना हानिकारक प्रभाव पड़ता है। वह हीनभावना का शिकार हो जाता है जिससे वह सारी जिंदगी उभर नहीं पाता। पड़ोसी की बेटी ज्यादा अंक परीक्षा में ले ले तो आपको अपनी बेटी को कम नहीं समझना चाहिए। अपने बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रोत्साहन जरूर दें लेकिन दूसरों से उनकी तुलना मत करें। हर व्यक्ति का आई क्यू, स्वभाव, रासायनिक एवं जैविक रचना अलग-अलग होती है। हर बच्चे का स्वभाव अलग होता है। दो व्यक्ति एक जैसे कभी नहीं हो सकते। सभी बच्चों का स्वभाव अलग होता है। बच्चों को समझ कर, उनकी प्रतिभा जिस क्षेत्र में है यह जानकर उसे उस क्षेत्र में मेहनत करने का प्रोत्साहन दें? माता-पिता बच्चे के लिए भगवान से बढ़कर होते हैं। एक मां सौ शिक्षकों से बढ़कर होती है। जीवन का पहला संगीत मां की लोरी होती है। माता-पिता और बच्चों में पीढ़ी का अंतर तो होता ही है फिर भी समझदार मां-बाप को यथा समय इस अंतर को कम कर देना चाहिए। बच्चों से उनके जवान होने पर मित्रवत व्यवहार करें। बच्चों के गुणों की प्रशंसा करें, उनकी कमियों को प्यार से उन्हें बताकर दूर करने का प्रयास करें। हर बच्चा प्रकृति का अनुपम प्रसाद है। माता-पिता और अध्यापकों का उसके व्यक्तित्व विकास में बहुत योगदान होता है। हर बच्चा अपना अलग स्वभाव रखता है। उसकी प्रतिभा पहचान कर उसे उसी रूप में ढालने का प्रयत्न करें। उसकी दूसरों के साथ तुलना मत करें। उसको डांट फटकार कर हतोत्साहित मत कर दें जिससे फिर वह जिंदगी में उठ ही न सके। इससे कई बार निराश हो कर बच्चे अवसाद का शिकार तक हो जाते हैं। यहां तक कि खुदकुशी तक कर लेते हैं, इसलिए हालत को समझकर ही उन्हें समझायें।

लौटना होगा फिर आदमीयत की ओर

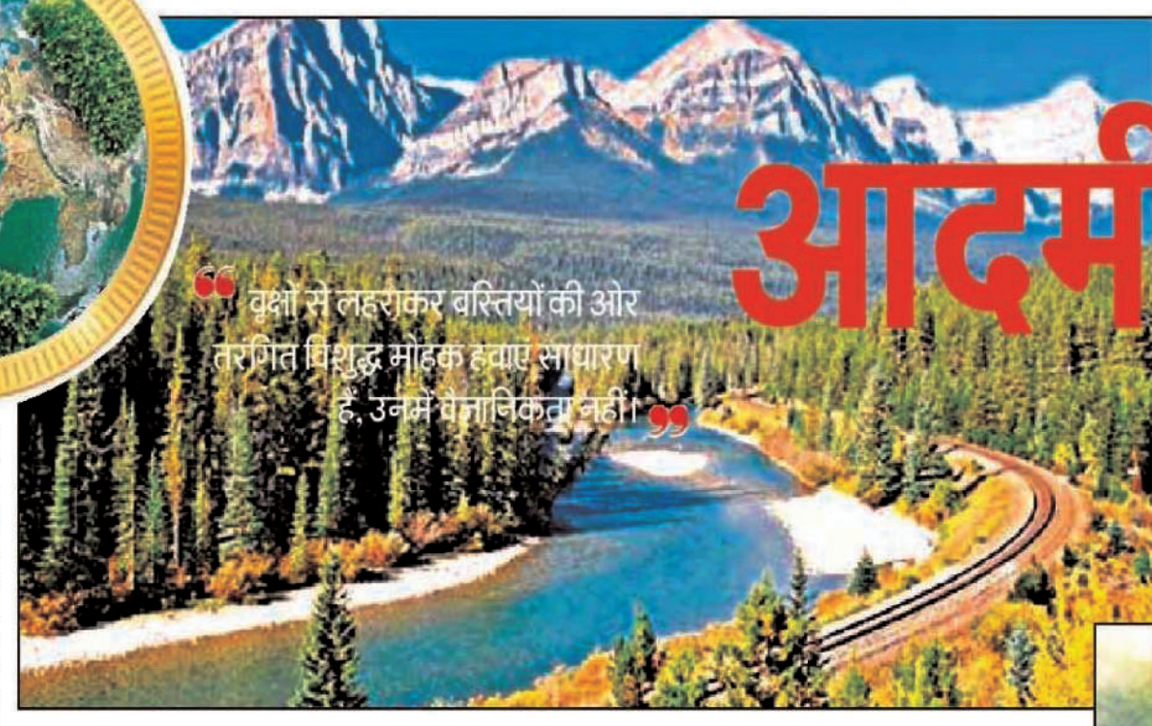

अरविन्द कांत त्रिपाठी
(स्वतंत्र पत्रकार)

वर्ष 2020 को को रो ना - व र्ष' कहना अनुचित नहीं होगा। सीमा पर चीन से युद्ध के मुहाने पर आचुका तनाव और वर्षांत में दिल्ली तक पहुंच चुका किसान आंदोलन गुजरते वर्ष की प्रमुख कथा-व्यथा है। कोरोना वायरस प्रकृति-जन्मा है या मानव निर्मित यह दूसरी बहस का विषय है किन्तु आदमी के कुकर्मों से कोरोना विस्तार की सुविधाजनक पृष्ठभूमि तो पहले से तैयार है। कोरोना से पूरा विश्व कांप उठा है, हम भी। 'प्रकृति'भोग्या है और पुरुष भोगी ।

प्रकृति अपने धर्मसम्मत (सम्यक) उपभोग की आज्ञा देती है, असीमित व अनियंत्रित वासना तृप्ति की नहीं। किन्तु भोग की आकंठ लिप्सा में उन्मत्त आदमी आकाश से पाताल तक परमसत्ता की रचनाओं को तहस-नहस करने पर अमादा है। अनादि-अनंत प्रकृति के कतिपय कणों (चांद-सितारों) पर विजय प्राप्तकर आदमी बेअंदाज तथा प्रकृति के प्रति असभ्य और निर्मम हो चुका है। उसने मशीन आधारित अपने ज्ञान को वैज्ञानिक तथा सर्वव्यापी सत्ता द्वारा बनाई गई संज्ञाओं को अवैज्ञानिक मान लिया है। उसके लिए पर्वत, नदी, वन और उपवन अवैज्ञानिक हैं, जबकि मशीन और रोबोट वैज्ञानिक।

मानव सभ्यता की जीवन रेखा 'गंगा'में कोई वैज्ञानिकता नहीं। अब वह मोक्षदायिनी नहीं बल्कि मिल, फैक्ट्रियों के अथाह कचरों के निस्तारण का स्थान बन चुकी है। दूरदृष्टिविहीन आदमी जंगलों का नाश और कारखानों के जहरिले धुंओं से हवाओं को जहरीला बना चुका है। नदी, सरोवर, चरिन्दे-परिंदे, वायु, जंगल, जमीन, पर्वत, पठार, गंगा और गऊ में वह विज्ञान ढूढने को उत्सुक नहीं। भूमि को माता मानकर पूजना तथा कुआं और चापाकल से भूमिगत जल का सेवन पिछड़ेपन का परिचायक हो गया है। वृक्षों से लहराकर बस्तियों की ओर तरंगित विशुद्ध मोहक हवाएं साधारण हैं, उनमें वैज्ञानिकता नहीं। लिहाजा आदमी ने पथ बदल लिया। अब वातानुकूलित गैसीय हवा सोखकर, 'प्यूरीफायर' का पानी पीकर, मास्क से मुंह छिपाकर वह वैज्ञानिक हो चुका है।

इसी विपरीत बुद्धि के कारण आदमी, आज उन्मुक्त भाव से किसी के घर जाने लायक नहीं। अपने ही बच्चों को निर्द्वन्द्व होकर कलेजे से लगाने लायक नहीं रहा। सगे-संबंधियो और पास-पड़ोस के सुख-दुःख में हिस्सेदारी लायक नहीं। किसी अपने की अन्तिम यात्रा में शामिल होने लायक नहीं रहा। दरबों में कैद शादी-व्याह, उत्सव-त्योहार, पर्यटन, मनोरंजन पर ताले तथा देवालयों (मंदिर, मस्जिद, गिरिजा और गुरुद्वारे) में आदमी की उपस्थिति पर प्रतिबंध - प्रकृति के साथ की गई बर्बरता के एवज में आदमी को मिला दंड है, जिसे भोगना ही है। हमारे वेद, उपनिषद और गीता आदि में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश में देवत्व के दर्शन, उनके समृद्धि और शुद्धता की संकल्पना क्यों की गई है? आधुनिक समाज को इस बारे में जानने का न तो समय है और न ही आवश्यकता। उसके लिए अध्यात्मिकता आदिम सभ्यता की वाहक है, अवैज्ञानिक है। अतः त्याज्य है। पहाड़, पठार, वन, उपवन, झील, झरने सब प्रकृति के आभूषण हैं, श्रृंगार है।

श्रृंगार लूटने से प्रकृति बेवा होगी ही। प्रकृति बेवा होगी तो आदमी का अनाथ होना तय है। लाकडाउन में आदमी अपने घरों में कैद क्या हुआ कि उसकी सड़ांधता से मुक्त होकर महज 10-15 दिनों में ही वायुमंडल चहक उठा। नई सुकोमल पत्तियों और पुष्प-परागों से वृक्ष सम्पन्न हो उठे। विषैले अपशिष्टों के भारी बोझ से मुक्त होकर नदियां अपनी नैसर्गिकता से बह चलीं। यह सब आदमी के बलात शोषण से स्वतंत्र हुई प्रकृति का मनोहारी दृश्य था।

आसमानी योद्धाओं ने जंगी जहाजों की गगनभेदी दहाड़ के साथ कोरोना-वारियर्स पर फूल बरसाते हुए राष्ट्र-रक्षा-यज्ञ में उनके समर्पण को प्रणाम किया, जबकि कृतज्ञ राष्ट्र ने उनके सम्मान में ताली और थाली बजाने के बाद रात्रि की नीरवता में दीप प्रज्ज्वलितकर उनकी कुशलता की कामना की।'उदार चरितानां तू वसुधैव कुटुम्बकं ' पूरे विश्व को अपना परिवार मानकर सबके हितार्थ तत्पर रहना हमारी पीढ़ीगत सभ्यता है। संकट से आच्छादित होने के बाद भी अमेरिका सहित 150 देशों को 'हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन'तथा अन्य दवाओं के साथ चिकित्सकीय उपकरणों से मदद करना विश्व कल्याण के प्रति हमारे संकल्प का वर्तमान उदाहरण है। बुहान में फंसे भारतीयों को तथा 'वन्दे भारत अभियान' के जरिए दूसरे देशों में अटके अपनों को वापस लाना, प्रजा के प्रति सिंहासन के गाढ़े अपनत्व का सबूत है। 'मक्कारी'भी इसी माटी की दीर्घायु तबीयत है। देश ने आजादी के बाद का सबसे बड़ा हृदयविदारक पलायन, मजदूरों का देखा। इसी पलायन के साथ श्रमिकों की क्लेश-कथा के असली गुनहगार तथाकथित बड़े लोगों की निःवस्त्रता और निर्ममता भी सरेसमाज हुई। कोरोना में दो-गज की दूरी जरूरी थी लेकिन वह (अधिकांश पूंजीपति) तो मानवता से ही अनगिनत गज की दूरी बना बैठे। खबरिया टीवी चैनल केवल समाचार प्रसारण या विषयों पर बहस कराने के माध्यम भर नहीं। जनमानस के लिए वह - भाषा, भाव, आचार और विचार सीखने की पाठशाला भी हैं। वर्तमान भारत, सिनेमा की तरह टीवी चैनलों पर दिखने वाली 'आचरण की मर्यादा' और 'भाषा की सभ्यता' से अंदर तक प्रभावित होता है। सम्पूर्ण भारत के आचरण, व्यवहार, भाषा और भाव को दिशा देने में और इस तरह भावी भारत का खाका तैयार करने के समस्त कारकों में टीवी चैनल सबसे अहम हैं।

कोरोना काल में सोशल मीडिया का भारी उछाल भारतीय क्रिया-कलाप में आया क्रांतिकारी बदलाव है। अनेक अप्लीकेशनों द्वारा समाचार, मनोरंजन, बैंकिंग, सरकारी योजनाओं के लाभ, बाजार, भुगतान, शिक्षा, स्वास्थ और पुलिसिंग आदि कार्यों में तेजी से बढ़ते 'ई-नेटवर्किंग' उपयोग से स्पष्ट है -जंगल और कांदराओं से निकलकर यहां तक पहुंची भारतीय सभ्यता अब तेजी से 'बटन-संस्कृति' की ओर अग्रसर है। बटन को समझने और दबाने में माहिर लोगों का ही भविष्य है। इस कला में पारंगत व्यक्ति ही जल का उस्ताद होगा, इसमें संदेह नहीं है।

अप्रैल माह की शुरुआत में ऊफान लेते कीरोना कोप के साथ ही तब्लीगी जमात के मुखिया मोहम्मद साद और अन्य जमातियों की बेअंदाजी और बेअदबी भी चिंतित चर्चा का कारण बनती गयी। सम्प्रदायिकता के लम्बरदार और अखाड़ची ताल ठोंकने लगे। लेकिन हिन्दू, मुस्लिम भटकाव की बयार के बीच न जाने वह कौन सी मोहब्बत है, कौन सी सच्चाई है - जिसके चलते हम एक थे और एक हैं। अनेकानेक आक्रमणों व षड्यंत्रों के बाद भी भारत अमर है। शायद इसलिए कि किसी धर्म, जाति, भाषा, सम्प्रदाय या पंथ का नहीं बल्कि सबकी संयुक्त साधना और हृदय में हिचकोले लेती पवित्र भावना का नाम है भारत। ●

हनुमानजी के बिना प्रभु श्रीराम का दरबार कदापि पूर्ण नहीं होता

सांसारिक विवाह साधना के इसी क्रम की तो झांकी है। पंडित संत की भूमिका निभाता है। पति परमात्मा की और पत्नी जीव की भूमिका निभाती है। और बीच में अग्नि सांकेतिक रूप है। त्याग, तपस्या व पावनता का। अर्थात पति-पत्नी के मध्य अगर त्याग, तपस्या व पावनता का संस्कार विद्यमान है और सदैव किसी साधु का सान्निध्य है तो मानना कि यह बैकुण्ठ की जीती जागती झांकी है।

जब कोई संत मिलते हैं तो आत्मा और परमात्मा का मिलन करवाते हैं। यहाँ हनुमान जी संत की भूमिका में हैं और श्रीराम-सुग्रीव की भूमिका जीव और ब्रह्म की है। अग्नि को साक्षी बनाकर प्रीति दृढ़ करने की जो बात गोस्वामी जी ने लिखी वह अपने गर्भ में गूढ़ रहस्य संजोए हुए है।

विगत अंकों में हमने पढ़ा कि श्री हनुमान जी जीव और ब्रह्म के मिलन को प्रतिक्षण तत्पर हैं और सुग्रीव श्री हनुमान जी पर उनके सामर्थ्य व विवेक पर पूर्ण विश्वास करते हैं। सज्जनों रामायण के अंदर वर्णित यह भिन्न-भिन्न प्रसंग जो हम पढ़ते अथवा सुनते हैं ऐसा नहीं कि ये एक कहानी अथवा उपन्यास के कोई अंश हैं। इन प्रसंगों में घटने वाली निम्न से भी निम्न दिखने वाली कोई घटना सीधे हमारे लिए अध्यात्मिक ऊँचाइयों का श्रेष्ठतम संदेश समेटे होती है। अब यहाँ ही आप देख लीजिए श्री हनुमान जी जब श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता करवाते हैं तो अग्नि को साक्षी बनाकर मित्रता करवाते हैं-

तब हनुमंत उभय दिसि की सब कथा सुनाइ।
पावक साखी देइ करि जोरी प्रीति दृढाइ।।

अर्थात श्री हनुमान जी ने दोनों ओर की सब कथा सुनाकर अग्नि को साक्षी देकर परस्पर दृढ़ करके प्रभु श्रीराम एवं सुग्रीव की प्रीति जोड़ दी।

इसे भी पढ़ें: ऋल्ल ऋल्लें: श्रीराम से सुग्रीव की भेंट कराते समय हनुमानजी के मन में आ रहे थे यह विचार

सज्जनों आप चिंतन दृष्टि से अगर देखेंगे तो हनुमान जी ने श्रीराम जी और सुग्रीव का मैत्री संबंध बिल्कुल वैसे ही जोड़ा जैसे सांसारिक तौर पर कोई पंडित दूल्हा-दुल्हन को अग्नि साक्षी करवाकर उनका पति-पत्नी का संबंध जोड़ता है। तो क्या श्री हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव को दूल्हा-दुल्हन के प्रपेक्ष्य में लिया? निःसंदेह इसका उत्तर हाँ में है। सांसारिक दृष्टिकोण से भले ही हमें यह हास्यसपद लगे लेकिन आध्यात्मिक दृष्टिकोण इसे पूर्णतः उचित व न्यायसंगत मानता है। वह यूं कि धर्मिक ग्रंथों में सभी जीव आत्माओं को नारी रूप में ही देखा गया है। और पुरुष केवल ईश्वर को ही गया गया है। जैसे गुरबाणी में भी आता है-

इसु जम महि पुरखु एकु है होर सगली नारि सबाई।।

और जब कोई संत मिलते हैं तो आत्मा और परमात्मा का मिलन करवाते हैं। यहाँ हनुमान जी संत की भूमिका में हैं और श्रीराम-सुग्रीव की भूमिका जीव और ब्रह्म की है। अग्नि को साक्षी बनाकर प्रीति दृढ़ करने की जो बात गोस्वामी जी ने लिखी वह अपने गर्भ में गूढ़ रहस्य संजोए हुए है। वह यह कि प्रीति तो संसार में किसी न किसी से हो ही जाती है। लेकिन आवश्यक नहीं कि वह प्रीति दृढ़ ही हो। कारण कि जरा-सा स्वार्थ सिद्ध नहीं हुआ तो प्रीति टूट जाती है। लेकिन श्री हनुमान जी का मत तो यही है कि देखो भई सांसारिक प्रीति या संबंध बनाने में और उन्हें आगे सुदृढ़ अथवा विकसित करने हेतु हमारा अवतार ही नहीं हुआ। जीव और ब्रह्म की प्रीति कैसे सुदृढ़ हो हमारा सारा चिंतन, प्रयास व बल इसी के निमित है। अब श्रीराम और सुग्रीव की मैत्री की शुरूआत तो हमने करवा दी लेकिन बीच में यह जलती हुई अग्नि को साक्षी बना दिया। इसके पीछे कुछेक कारण हैं। प्रथम तो यह कि मित्रता के साक्षी के रूप में उसी को रखना चाहिए जो पूर्णतः पावन व पवित्र हो। जो केवल धर्म का पक्ष ले। जैसे अग्नि का धर्म जलाना होता है। अब उसमें पापी तथा पुण्यात्मा जो भी हाथ डालेगा वह उसे समान रूप से जला डालेगी। अग्नि कोई पक्षपात नहीं करती। उसके अंदर न किसी के लिए राग है और न ही द्वेष। संदेश है कि अगर मित्रों में साक्षी ऐसा हो जो पूर्णतः निष्पक्ष हो तो आपकी मित्रता सर्वोत्तम है, श्रेष्ठ है। इसके अंदर आध्यात्मिक संदेश यह है कि सुग्रीव जीव है और श्रीराम जी ब्रह्म। दोनों के मिलन पर साधना, त्याग, तपस्या की अग्नि निरंतर प्रज्ज्वलित रहती है। तो जीव ब्रह्म से प्रीति व संबंध निरंतर प्रगाढ़ करता रहता है। योग व समाध की राहि पर नित नई ऊँचाइयों को प्राप्त होता है। श्रीराम-सुग्रीव और अग्नि तो ठीक है लेकिन साथ में श्री हनुमान जी की निरंतर उपस्थिति का क्या तात्पर्य है? वह यह कि भले ही गुरु अथवा संत ने जीव एवं ब्रह्म के बीच एक बार मित्रता की नींव रख दी हो और बीच में साधना की अग्नि भी अनवरत जल रही हो लेकिन तब भी श्री हनुमान जी जैसे गुरु अथवा संत की सदैव, प्रतिक्षण साथ रखना परम आवश्यक है। क्योंकि अभी तो मित्रता का सिर्फ आरंभ ही हुआ है, प्रगाढ़ नहीं हुई। हो सकता है कि दोनों मित्रों में कल को कोई ऐसी घटना भी घट जाये जो दोनों मित्रों के परस्पर प्रेम को समाप्त ही कर दे। तो ऐसी स्थिति में कौन इस संबंध की रक्षा करेगा? कौन दिशा दिखायेगा? तो ऐसे में श्री हनुमान जी जैसे संत ही होते हैं जो विकट परिस्थिति में भी सब कुछ संभाल लेते हैं। और सुग्रीव के प्रसंग में हम आगे देखते भी हैं कि कैसे राज्य प्राप्त करने के पश्चात सुग्रीव अपनी सेवा-कर्त्तव्य को भूल ही जाता है। और सुग्रीव को पुनः मार्ग पर लाने हेतु जब श्रीराम जी श्री लक्ष्मण को भेजते हैं तो श्री हनुमान जी ही थे जो सुग्रीव को समझाकर सारी बिगड़ती परिस्थितियां संभाल लेते हैं। और सुग्रीव पुनः श्रीराम जी की सेवा में उपस्थित व तत्पर हो उठता है। सांसारिक विवाह साधना के इसी क्रम की तो झांकी है। पंडित संत की भूमिका निभाता है। पति परमात्मा की और पत्नी जीव की भूमिका निभाती है। और बीच में अग्नि सांकेतिक रूप है। त्याग, तपस्या व पावनता का। अर्थात पति-पत्नी के मध्य अगर त्याग, तपस्या व पावनता का संस्कार विद्यमान है और सदैव किसी साधु का सान्निध्य है तो मानना कि यह बैकुण्ठ की जीती जागती झांकी है। श्री हनुमान जी की निरंतर उपस्थिति केवल यहीं नहीं है। आप श्रीराम दरबार की झांकी में दृष्टिपात कीजिए। जिसमें श्रीराम जी के संग श्री सीता जी एवं श्री लक्ष्मण जी का होना तो न्यायसंगत लगता है। क्योंकि परिवारिक सदस्य हैं। लेकिन साथ में सदैव श्री हनुमान जी की उपस्थिति इसी भाव को इंगित करती है कि श्रीराम जी के रूप में ब्रह्म, लक्ष्मण जी के रूप में वैराग्य और श्री सीता जी के रूप में भले ही भक्ति विद्यमान हो लेकिन श्री हनुमान जी के रूप में संत की उपस्थिति के बिना श्री राम दरबार कदापि पूर्ण नहीं होता।

जांबाज वन अधिकारी बनें और करें देश सेवा

आईएएस यानी, इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज और आईपीएस यानी, इंडियन पुलिस सर्विसेज बहुधा प्रयोग में लाई जाती हैं और लोग इसके बारे में काफी कुछ जानते हैं, जबकि आईएफएस के बारे में कम लोग ही जानते हैं।

आईएफएस, यानी इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज। जिस प्रकार से आईएएस और आईपीएस नामक भारतीय सेवाएं होती हैं, ठीक उसी प्रकार आईएफएस भी इसी रैंक की सेवा होती है।

हालांकि आईएएस यानी, इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज और आईपीएस यानी, इंडियन पुलिस सर्विसेज बहुधा प्रयोग में लाई जाती हैं और लोग इसके बारे में काफी कुछ जानते हैं, जबकि आईएफएस के बारे में कम लोग ही जानते हैं।

अगर आप भी आईपीएस अधिकारी बनना चाहते हैं तो उसके कार्यों को आप अवश्य समझ लें। इनका मुख्य कार्य वनों की सुरक्षा करना होता है। जिस प्रकार से वनों में अवैध वृक्षों की कटाई की जाती है और वनों में तमाम प्राणियों को अवैध रूप से मार डाला जाता है, और उसकी तस्करी की जाती है, उसकी सुरक्षा के लिए वन सेवा अधिकारी नियुक्त होते हैं।

जिस प्रकार आईएएस, आईपीएस के लिए यूपीएससी यानी यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन एग्जाम आयोजित करता है, आईएफएस के लिए भी आपको ऐसा ही एग्जाम देना पड़ता है। इसके लिए आपको मैथ, फिजिक्स, केमिस्ट्री या फिर जीव विज्ञान, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन अथवा इंजीनियरिंग इत्यादि किसी एक स्ट्रीम से ग्रेजुएशन होना आवश्यक है।

अगर इसके लिए एज की बात करें तो 21 साल से लेकर 32 साल के बीच में आप अप्लाई कर सकते हैं। वहीं अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए इंडियन गवर्नमेंट द्वारा उम्र में संबंधित छूट दी जाती है।आप आईएफएस के एग्जाम को आसान ना समझें, बल्कि यह भी आईएएस और आईपीएस की तरह ही कठिन एग्जाम होता है। इसके लिए भी आपको पहले प्री, यानी प्रारंभिक परीक्षा देनी पड़ती है, फिर मेंस, अर्थात मुख्य परीक्षा होती है और तत्पश्चात इंटरव्यू देने के बाद आप इसके लिए सिलेक्ट होते हैं।

तैयारी का पैटर्न भी कमोबेश सिमिलर ही होता है, किंतु आईएफएस के सिलेबस में एग्रीकल्चर, पशुपालन, केमिस्ट्री, मैथ और स्टैटिसटिक्स के साथ-साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंडियन हिस्ट्री, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, पॉलीटिकल साइंस, फिजिक्स, साइकोलॉजी, सार्वजनिक प्रशासन, प्राणी विज्ञान इत्यादि से संबंधित प्रश्न कवर किये जाते हैं।

अगर आप इन एक्जाम्स में सिलेक्ट हो जाते हैं तो आपको नियुक्ति दी जाती है। पदों की बात करें तो इसमें सहायक वन संरक्षक, जिला वन संरक्षक, वन संरक्षक प्रमुख, वन संरक्षक जैसे पद सम्मिलित हैं। इसके अलावा सबसे सीनियर पदों में प्रधान वन संरक्षक एवं वन महा निरीक्षक की रैंक होती है। जाहिर तौर पर शुरूआत में जिम्मेदारियां कम होती हैं, किंतु बाद में यह जिम्मेदारियां धीरे-धीरे बढ़ती ही चली जाती हैं और आपको उस अनुरूप कार्य करना पड़ता है।

भारत भर में मौजूद तमाम नेशनल पार्क और जहां पर अभ्यारण इत्यादि बनाए गए हैं, वहां पर इन ऑफिसर्स की तैनाती होती है।

सच कहा जाए तो इस जॉब में वही लोग बेहतरीन ढंग से कार्य कर सकते हैं, जो अपनी जॉब को प्यार करते हैं। वन्यजीवों के अलावा तमाम आदिवासियों से भी इन लोगों का सामना होता है और अगर एक आईएफएस ऑफिसर के पास पेशेंस और करेज नहीं है, तो उसका काम करना बड़ा मुश्किल होता है।

हालांकि इसके लिए आवश्यक ट्रेनिंग जरूर दी जाती है। अगर आप प्री, मेंस और इंटरव्यू में सिलेक्ट हो जाते हैं, तो उसके बाद आपको शुरूआती प्रशिक्षण के लिए लाल बहादुर शास्त्री अकादमी में भेजा जाता है, जहां पर तमाम सब्जेक्ट की गहन जानकारी आपको दी जाती है।

उसके बाद आपको इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, जो देहरादून में स्थित है, वहां पर भेजा जाता है। वहां पर आपको वन प्रबंधन, मृदा संरक्षण, आदिवासी कल्याण, वन्यजीव प्रबंधन सर्वेक्षण करने तथा दूसरे ऑन जॉब ट्रेनिंग दी जाती है। इसके बाद आप कहीं तैनाती के काबिल हो पाते हैं।

खुद ही न बनें डाक्टर

दवाओं के दुष्प्रभाव

- कुछ दवाओं से रोगी को एलर्जी भी हो सकती है।
- उबकाई, उल्टी, दस्त, थकावट या त्वचा पर दाने भी निकल आते है।
- एलर्जिक दुष्प्रभावों में चकत्ते पड़ना, त्वचा संबंधी परेशानियां भी हो सकती है।
- कुछ दवाओं का गलत प्रभाव शरीर के अन्य अंगों पर भी पड़ता है जैसे हृदय गति का असामान्य हो जाना।
- दवाइयों के दुष्प्रभाव से मौत भी हो सकती है।
- गर्भवती या बच्चों को दूध पिलाने वाली महिलाओं में दवा के प्रभाव के बारे में विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि उस दवा का असर बच्चे पर भी हो सकता है।
- दवाओं की क्रिया, दवाओं का इस्तेमाल विभिन्न रोगों से निजात पाने के लिए ही किया जाता है। ये दवाएं दवा के असर को घटाती व बढ़ाती भी है।

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

जीवन में हर कोई स्वस्थ रहना चाहता है, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए सबसे जरूरी है सकारात्मक सोच। आधुनिकता के इस दौर में चाहे कितना भी अच्छा खानपान, शुद्ध हवा, प्रदूषण रहित वातावरण हो लेकिन कोई न कोई बीमारी लोगों को घेर ही लेती है, कौन चाहेगा कि वह बीमार पड़े और उसे दवाई खानी पड़े, लेकिन जब बीमार पड़ ही गए है तो उपचार के लिए दवा तो खानी ही पड़ेगी। इसलिए जरूरी है कि दवाओं का इस्तेमाल करने से पहले डाक्टर से सलाह और दवाओं के बारे में पूर्ण जानकारी। ड्रग विशेषज्ञों का कहना है कि किसी रोग के लिए दवाई लेने से पहले सावधानी रखना जरूरी है। बिना जानकारी के दवाई लेने से आपके शरीर में बुरा प्रभाव हो सकता है। नकली दवाओं के सेवन से बचना चाहिए व गुणवत्ता वाली दवाएं ही खरीदनी चाहिए।

त्वचा पर दिखता है दवाओं का दुष्प्रभाव : विशेषज्ञों का कहना है कि त्वचा शरीर का सबसे बड़ा अंग है। यह सर्वाधिक संवेदनशील भी है। किसी भी दवा का असर त्वचा पर तुरंत दिखाई देने लगता है। कुछ भी असामान्य होने पर फौरन चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। कुछ दवाओं का इस्तेमाल दर्द से निजात पाने, नींद लाने, तनाव दूर करने के लिए किया जाता है। इनका निश्चित रूप से अधिक मात्रा में सेवन करने से इनकी आदत सी पड़ जाती है, रोगी इनका आदी हो जाता है और उसकी हालत एक नशेड़ी जैसी हो जाती है। इसलिए दवाओं का किसी भी बीमारी में इस्तेमाल करने से पूर्व उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए जोकि स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

अभी कुछ समय पहले नोएडा के ही एक सेक्टर में रहने वाले 7 साल के निखिल को एक साल पहले तेज बुखार हुआ था। उस समय डॉक्टर ने कोई दवा लिखी। उसके बाद जब भी उसे बुखार होता, पैरेंट्स डॉक्टर से बगैर पूछे वही दवा उसे दे देते। लेकिन एक बार बुखार आया तो ठीक ही नहीं हुआ, जिससे समस्या काफी बढ़ गई। डॉक्टर को दिखाया तो पता चला कि वह हर बार एक ही दवा दे रहे थे। बहरहाल, सही इलाज मिलने से किसी तरह निखिल की जान तो बच गई, लेकिन गलत दवाओं के इस्तेमाल से वह मासूम कई गंभीर बीमारियों का शिकार हो गया।

दूसरी ओर बिहार के 30 साल के अशोक को जब भी बुखार, सर्दी-जुकाम या कोई और परेशानी होती तो वह केमिस्ट की दुकान से एंटीबायोटिक ले लेते थे। कई बरसों से वह लगातार ऐसा कर रहे थे। लेकिन पिछले साल उनकी तबीयत काफी खराब हो गई। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां से उनकी हालत और खराब हो गई जिसके बाद उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि जरूरत से ज्यादा एंटीबायोटिक लेने से उनके शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो गई है। ऐसे में लंबे इलाज के बाद वह सामान्य हो पाए।

ऐसे तमाम लोग आपको अपने आसपास मिल जाएंगे, जिन्हें दवाओं के साइड इफेक्ट्स से गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा है। अक्सर इससे लोग बड़ी बीमारियों के शिकार हो जाते है। दवा लेने से पहले और इस्तेमाल करने के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखकर आप खुद को दवाओं के साइड इफेक्ट्स से होने वाले नुकसान से बचा सकते है। परेशानी किस वजह से हो रही है, इसके बारे में सही तरीके से कोई डॉक्टर ही बता सकता है इसलिए सबसे बेहतर है कि परेशानी चाहे छोटी ही क्यों न हो, हमेशा क्वालीफाइड डॉक्टर से ही सलाह लेकर दवा लें।

■ लक्ष्मी भारती

कोविड रोधी छह टीकों की बूस्टर खुराक सुरक्षित : लैंसेट अध्ययन

■ नई दिल्ली (भाषा)।

■ अध्ययन में सामने आया प्रतिरोधक क्षमता बनाने में कारगर है बूस्टर खुराक से

कोविड-19 रोधी एस्ट्राजेनेका और फाइजर टीकों की दो खुराक लेने वाले लोगों के लिए कोविड-19 रोधी छह विभिन्न टीकों की बूस्टर खुराक (तीसरी खुराक) कारगर साबित हो सकती है। यह बूस्टर खुराक सुरक्षित होगी और अधिक प्रतिरोधक क्षमता प्रदान कर पाएगी।

द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि एस्ट्राजेनेका और फाइजर टीकों की दो खुराक लेने के छह महीने बाद संक्रमित हुए मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने और उससे मौत से क्रमशः 79 प्रतिशत और 90 प्रतिशत सुरक्षा मिली। वैसे समय के साथ टीकों की संक्रमण के खिलाफ प्रतिरक्षा कम हो जाती है, जिस कारण ही स्वास्थ्य सेवाओं ने बूस्टर यानी अतिरिक्त खुराक देने पर विचार किया है।

नए अध्ययन में सात टीकों को तीसरी खुराक यानी बूस्टर शॉट के तौर पर दिए जाने को लेकर उनके सुरक्षित होने, प्रतिरक्षा प्रदान करने और उसके दुष्प्रभाव पर गौर किया गया। एस्ट्राजेनेका फाइजर-बायोएनटेक, नोवेक्स, जैनसन, मॉडर्ना, वलनेवा और क्योरवैक के टीकों पर यह अध्ययन किया गया। यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल साउथेम्प्टन एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट के प्रोफेसर शाऊल फॉस्ट ने कहा,सभी सात टीके तीसरी खुराक के रूप में उपयोग करने के लिए सुरक्षित हैं। वैसे टीका लगाने के स्थान पर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान जैसे कुछ आम लक्षण बाद में दिख सकते हैं। उन्होंने कहा, एस्ट्राजेनेका की दो खुराक के बाद सभी सात टीकों की बूस्टर खुराक देने पर प्रतिरोधक क्षमता बढ़ी (स्पाइक प्रोटीन इम्यूनोजेनेसिटी), जबकि फाइजर-बायोएनटेक की दो खुराक लेने के बाद केवल एस्ट्राजेनेका, फाइजर-बायोएनटेक, मॉडर्न, नोवावैक्स, जेनसेन और क्योरवैक की बूस्टर खुराक लेने पर ही प्रतिरोधक क्षमता बढ़ी। अनुसंधानकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि ये परिणाम केवल बूस्टर खुराक और 28 दिनों बाद बनी प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित है।

फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी का गाना माफी रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की आने वाली फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी का गाना माफी रिलीज कर दिया गया है। आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी की लेकर चर्चा में है। माफी गाना में आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर दोनों का दिल टूट गया है। आयुष्मान, वाणी से माफी मांगते हुए दिखाई दे रहे है। इस गाने को सचिन-जिगर ने अपनी आवाज दी है।

समीर सोनी ने अपनी किताब को लेकर की बात

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता समीर सोनी माई एक्सपेरिमेंट्स विद साइलेंस के साथ एक लेखक बन गए हैं। अभिनेता की किताब माई एक्सपेरिमेंट्स विद साइलेंस 27 नवंबर को लॉन्च हुई थी। किताब के बारे में बात करते हुए, समीर ने कहा कि ये डायरी प्रविष्टियां एक अंतमुर्खी प्रविष्टियां हैं कि मैं दुनिया को कैसे देखता हूं, कैसे मैंने शोबिज के माध्यम से अपना रास्ता बना लिया। मैंने इस पुस्तक को अपना सबकुछ दिया है। ऐसे समय में जब लोग मान्यता चाहते हैं, मैंने अपनी सुरक्षित जगह, अपनी डायरी की ओर रुख करना चुना। उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो सामाजिक रूप से बहुत सक्रिय है। लेकिन एक अभिनेता के रूप में, यह मेरे लिए एक फायदा था क्योंकि इससे मुझे अपने चरित्र से बेहतर तरीके से जुड़ने में मदद मिली।

एक्शन थ्रिलर कंधार में जेरार्ड बटलर के साथ नजर आएंगे अली फजल

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता अली फजल जेरार्ड बटलर के साथ कंधार नामक एक एक्शन थ्रिलर में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कंधार का निर्देशन रिक रोमन वॉ कर रहे हैं, जिन्होंने एंजेल हैस फॉलन, फेलॉन, ग्रीनलैंड जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। इस लिस्ट में जेके सिमंस के साथ आने वाली एक फिल्म नेशनल चैंपियंस भी शामिल हैं। परियोजना का हिस्सा बनने पर उत्साहित अली ने कहा, मैं हमेशा नए और रोमांचक उपक्रमों के लिए तत्पर रहता हूं। हम जल्द ही शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं।

कंधार पटकथा पर आधारित है, जिसे निर्देशक ने पूर्व सैन्य खुफिया अधिकारी मिशेल लाफॉर्च्यून के साथ मिलकर बनाया था। अफगानिस्तान में डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी में मिशेल के अनुभवों ने कहानी को आकार दिया है और फिल्म की मुख्य फोटोग्राफी जल्द ही सऊदी अरब में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण जॉन विक और सिसेरियो, जीन्बेस और कैपस्टोन ग्रुप के निर्माता थंडर रोड फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। वहीं अली जल्द ही आरती कदव की एक अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगे। अभिनेता ने कुछ दिन पहले अपने इंस्टाग्राम पर फ्यूचरिस्टिक स्पेस फिल्म का पहला लुक साझा किया था।

गूगल से निकाले जाने के बाद गेब्रू ने बनाया एआई शोध संस्थान

■ सैन फ्रांसिस्को (आईएएनएस)।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शोधकर्ता टिमनिट गेब्रू ने अपना खुद का शोध संस्थान स्थापित किया है। यह एक स्वतंत्र, समुदाय-आधारित संस्थान होगा जो बिग टेक के व्यापक प्रभाव एआई का अनुसंधान, विकास और परिनियोजन का मुकाबला करने के लिए तैयार होगा। डिस्ट्रीब्यूटेड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च इंस्टीट्यूट (डीएआईआर) गेब्रू द्वारा स्वतंत्र स्थानों की आवश्यकता की प्रतिक्रिया है जहां दुनिया भर के शोधकर्ता एजेंडा निर्धारित कर सकते हैं और अपने समुदायों और जीवित अनुभवों में निहित एआई अनुसंधान का संचालन कर सकते हैं। डीएआईआर की संस्थापक गेब्रू ने कहा, एआई को वापस धरती पर लाने की जरूरत है।

उन्होंने गुरुवार देर रात एक बयान में कहा, इसे एक अलौकिक स्तर तक बढ़ा दिया गया है जो हमें विश्वास दिलाता है कि यह अपरिहार्य और हमारे नियंत्रण से परे है। जब एआई अनुसंधान, विकास और तैनाती शुरू से ही लोगों और समुदायों में निहित है, तो हम इन नुकसानों का सामना कर सकते हैं और एक भविष्य बना सकते हैं, जो समानता और मानवता को महत्व देता है। गेब्रू ने कहा कि एआई तकनीक में निहित नुकसान रोके जा सकते हैं और जब इसके उत्पादन और तैनाती में विविध दृष्टिकोण और जानबूझकर प्रक्रियाएं शामिल होती हैं, तो इसे लोगों के खिलाफ काम करने के बजाय लोगों के लिए काम पर रखा जा सकता है। डीएआईआर के साथ, उनका उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जो उन संरचनाओं और प्रणालियों से स्वतंत्र हो जो नैतिकता और व्यक्तिगत कल्याण पर लाभ को प्रोत्साहित करते हैं।

संस्थान को फोर्ड फाउंडेशन, जॉन डी. और कैथरीन टी. मैकआर्थर फाउंडेशन, कपूर सेंटर और ओपन सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। फोर्ड फाउंडेशन के अध्यक्ष डैरेन वॉकर ने कहा, टिमनिट गेब्रू का लॉन्च और डीएआईआर का नेतृत्व जनहित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र को आगे बढ़ाएगा और नैतिक एआई की ओर आंदोलन को सुनिश्चित करेगा। यह न केवल विचार करता है बल्कि दुनिया भर में प्रभावित समुदायों की आवाज को प्राथमिकता देता है। गेब्रू गूगल की एथिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टीम की तकनीकी सह-प्रमुख थी। उन्हें एक ईमेल के जरिए निकाल दिया गया था, जहां उन्होंने समावेश और विविधता के लिए गूगल की प्रतिबद्धता के बारे में संदेह व्यक्त किया था।

आज होगा पूर्ण सूर्य ग्रहण पर भारत में नहीं दिखेगा

पं. चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री
ज्योतिष विशारद

आज के दिन लगने वाला अंतिम सूर्य ग्रहण इसी साल 10 जून को लगे पहले सूर्य ग्रहण की तुलना में पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा । आंशिक सूर्य ग्रहण सुबह 10:59 बजे शुरू होगा। पूर्ण सूर्य ग्रहण दोपहर 12:30 बजे से शुरू होगा और अधिकतम ग्रहण दोपहर 01:03 बजे लगेगा। पूर्ण ग्रहण दोपहर 01:33 बजे समाप्त होगा और अंत में आंशिक सूर्य ग्रहण दोपहर 3:07 बजे समाप्त होगा।

यह सूर्य ग्रहण एक ध्रुवीय ग्रहण के रूप में दिखाई देगा, जो अंटार्कटिका महाद्वीप पर होगा। सूर्य ग्रहण दुनिया के कई हिस्सों से दिखाई देगा। हालांकि, यह भारत से दिखाई नहीं देगा। यह सूर्य ग्रहण अंटार्कटिका के अलावा दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और दक्षिणी अटलांटिक के देशों से दिखाई देगा।

यह ग्रहण वृश्चिक राशि और ज्येष्ठा नक्षत्र में होगा। इस ग्रहण में सूर्य का संयोग केतु से बनने जा रहा है। साथ ही इस ग्रहण में चन्द्रमा और बुध का योग भी होगा। सूर्य और केतु का प्रभाव होने से दुर्घटनाओं की संभावना बन सकती है। साथ ही राजनैतिक रूप से उथलपुथल मच सकती है। वृश्चिक राशि विष की राशि है, इसलिए बीमारियां और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती है। इसके अलावा, आकस्मिक दुर्घटना और त्रासदी जैसी स्थिति बन सकती है।

जिन देशों मे ग्रहण का प्रभाव हो रहा है उन देशों मे कोरोना का प्रभाव नए वायरस के रूप मे ज्यादा प्रभावित करेगा । इन 15 दिनों के भीतर पड़े दोनों ही ग्रहण प्राभावित देशो मे कई त्रासदी ले के आएंगे, भारत वर्ष पर किसी भी ग्रहण का पूर्ण प्रभाव नही पड़ा है इसलिए भारतवर्ष कम प्रभावित होगा और वि ा के अन्य देशों से हमारा देश सुरक्षित रहेगा।

वरुण तेज की फिल्म घनी की रिलीज डेट आगे बढ़ाई

हैदराबाद (आईएएनएस)। तेलुगु अभिनेता वरुण तेज अपनी आगामी फिल्म घनी से दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि, ऐसी चर्चा है कि स्पोर्ट्स ड्रामा की रिलीज को स्थगित कर दिया गया है। घनी के निर्माता ने रिलीज टाल दी हैं। हालांकि, सूत्रों का मानना है कि फिल्म मार्च 2022 में स्क्रीन पर आएगी। घनी 24 दिसंबर को नानी की श्याम सिंघा रॉय' से टकराने वाली थी, जिसके चलते इसे स्थगित कर दिया गया है।

खबर है कि सिनेमाघरों में टकराव से बचने के लिए गनी और श्याम सिंघा रॉय के निमार्ता आम सहमति पर आ गए हैं। विशेषकों ने संकेत दिया है कि एकल रिलीज फिल्मों को अच्छी मात्रा में ध्यान देने के साथ-साथ बॉक्स-ऑफिस संग्रह का भी समर्थन करेगी। इसलिए, लगता है कि घनी के निर्माताओं ने बॉक्स-ऑफिस पर टकराव से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया है।

शाबाश मिठू 4 फरवरी, 2022 को होगी रिलीज

मुंबई (आईएएनएस)। शुक्रवार को मिताली राज के जन्मदिन के मौके पर तापसी पन्नू अभिनीत शाबाश मिठू की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह 4 फरवरी 2022 को स्क्रीन पर आएगी। शाबाश मिठू भारत में महिला क्रिकेट पर आधारित कहानी है। फिल्म मिताली के जीवन के उतार-चढ़ाव, असफलताओं और उत्साह के क्षणों का वर्णन करती है, जिसमें तापसी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में प्रतिभाशाली अभिनेता विजय राज भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। शाबाश मिठू को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर शूट किया गया है ताकि मिताली की प्रतिष्ठित यात्रा और विश्व मंच पर उनके जीवन को दिखाया जा सके। वायकॉम18 स्टूडियोज द्वारा निर्मित, शाबाश मिठू के क्रिएटिव प्रोड्यूसर अजीत अंधारे हैं, जबकि फिल्म श्रीजीत मुखर्जी द्वारा निर्देशित और प्रिया एवेन द्वारा लिखित है।

आशा भोंसले ने इंडियाज बेस्ट डांस-2 के कंटेस्टेंट को छोटी हेलेन कहा

मुंबई (आईएएनएस)। आशा भोसले इंडियाज बेस्ट डांस 2 में एक विशेष अतिथि के रूप में नजर आएंगी। उन्होंने शो की प्रतियोगी सौम्या की प्रशंसा की और उन्हें छोटी हेलेन कहा। अनुभवी गायिका सौम्या के बेली डांसिंग कौशल से बहुत प्रभावित हुई है। 1980 के दशक की फिल्म अलीबाबा और 40 चोर के गाने खतूबा गाने पर डांस करते हुए इस प्रतियोगी ने दिग्गज गायिका को अपना फैन बना लिया।

उन्होंने बेली डांसिंग के लिए अपनी पसंद साझा की और कोरियोग्राफर वर्तिका झा की भी सराहना की। भोसले कहा, मुझे नृत्य के रूप में बेली डांसिंग पसंद है। आपने आज जो किया है, मैं विशेष रूप से दुबई में ऐसे प्रदर्शन देखने जाती हूं। सौम्या, आप एक विशेष डांसर हैं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि मैं आपको प्रशंसा के प्रतीक के रूप में नटराज देना चाहती हूं। मेरे लिए, आप छोटी हेलेन हैं। इसके अलावा, वर्तिका, आप एक महान कोरियोग्राफर हैं। आपने वास्तव में इस अभिनय को खूबसूरती से व्यवस्थित किया है इंडियाज बेस्ट डांस 2 को मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और टेरेंस लुईस जज कर रहे हैं। यह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

अमिताभ ने की बॉब बिस्वास में अभिषेक के अभिनय की तारीफ

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने फिल्म बॉब बिस्वास में अपने पुत्र अभिषेक बच्चन के अभिनय की तारीफ की है। फिल्म 'बॉब बिस्वास' में अभिषेक बच्चन और चित्रांगदा सिंह की अहम भूमिका है। इस फिल्म को शाहरूख खान के बैनर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और बाउंड स्क्रिप्ट प्रोडक्शन तले निर्मित किया गया है। फिल्म का निर्देशन सुजॉय घोष की पुत्री दिया अन्नपूर्णा घोष ने किया है। यह फिल्म वर्ष 2012 में प्रदर्शित विद्या बालन की फिल्म कहानी का स्पिन-ऑफ है। फिल्म 'बॉब बिस्वास' में अभिषेक, बॉब के किरदार में हैं जबकि चित्रांगदा सिंह उनकी पत्नी का रोल निभा रही हैं। अमिताभ बच्चन ने फिल्म 'बॉब बिस्वास' में अभिषेक बच्चन के अभिनय की तारीफ की है। अभिषेक की तारीफ में अमिताभ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है।

सीएम योगी की कर्मस्थली गोरखपुर को 9600 करोड़ की सौगात देंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करीब 20 दिन में उत्तर प्रदेश के चौथे दौरे पर सीएम योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि गोरखपुर को बड़े तोहफे देंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात को गोरखपुर का दौरा करेंगे और 9600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से गोरखपुर में 30 वर्ष से अधिक समय तक बंद रहा गोरखपुर उर्वरक संयंत्र फिर से शुरू होगा। देश में यूरिया के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरणा लेकर इस बड़े यूरिया कारखाने को फिर से प्रारंभ किया जा रहा है। गोरखपुर की इस बड़ी परियोजना का लाभ विशेषकर पूर्वांचल क्षेत्र और आसपास के इलाकों के किसानों को होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोरखपुर उर्वरक संयंत्र की आधारशिला 22 जुलाई 2016 को रखी थी। 30 वर्ष से अधिक अर्से तक बंद रहने के बाद इसे फिर से पूर्वरूप में लाया गया है और लगभग 8600 करोड़ की लागत से इसका निर्माण किया गया है। गोरखपुर का संयंत्र स्वदेशी नीम कोटेड यूरिया का सालाना 12.7 एलएमटी उत्पादन करेगा। यह पूर्वांचल और आसपास के इलाकों के

किसानों की यूरिया उर्वरक की मांग की पूर्ति करने की दिशा में उनके लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। यह क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन देगा। परियोजना को हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) के नेतृत्व में स्थापित किया गया है। यह नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन, कोल इंडिया लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड की संयुक्त उपक्रम कंपनी है और गोरखपुर, सिंदरी व बरौनी उर्वरक संयंत्रों के पुनरुद्धार पर काफी काम कर रही है। गोरखपुर संयंत्र के लिए एम/एस टोयो इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन, जापान और टोयो इंजीनियरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंसोर्टियम ने केबीआर, यूएसए (अमोनिया) और टोयो, जापान (यूरिया के लिए) के रूप में प्रौद्योगिकी/लाइसेंसर्स के साथ काम पूरा किया गया है। इस परियोजना में 149.2 मीटर का दुनिया का सबसे ऊंचा प्रिलिंग टावर है। इसमें भारत का पहला वायु संचालित रबर डैम और सुरक्षा पहलुओं को बढ़ाने के लिए ब्लास्ट प्रूफ नियंत्रण कक्ष भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके साथ ही एम्स गोरखपुर के परिसर को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। जिसे 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। इस परिसर की आधारशिला प्रधानमंत्री ने 22 जुलाई, 2016 को रखी थी। इसकी स्थापना प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत की गई है। जिसमें प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के अनुसार तृतीय स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को ठीक करने के लिए संस्थान स्थापित होंगे। एम्स, गोरखपुर की सुविधाओं में 750 बेड का अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आयुष भवन, सभी कर्मचारियों के रहने के लिए आवास, यूजी व पीजी छात्रों के लिए छात्रावास आदि शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गोरखपुर में आईसीएमआर-क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र (आरएमआरसी), गोरखपुर के नए भवन का भी उद्घाटन करेंगे। क्षेत्र में जापानी इंसेफेलाइटिस के साथ एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम की चुनौती से निपटने में केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उपमुख्यमंत्री का विपक्षियों पर तंज, बोले- पहले जो धर्म स्थलों पर नहीं जाते आज वो घंटा-घड़ियाल बजा रहे

कानपुर। उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव सभी के लिए चुनौती है। इसमें एक तरफ जाति, संप्रदाय, क्षेत्र और परिवार को आधार पर बांटने का प्रयास पार्टियां कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर रोजगार, नकल विहीन परीक्षा, रोजगार परक शिक्षा भारतीय जनता पार्टी की सरकारें दे रही हैं। वह नेहरू नगर स्थित अंध विद्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित युवा उत्थान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह संघर्ष उत्तर प्रदेश को बनाने का है, यह चुनाव नौजवानों की परीक्षा है और उन्हें इसमें लगना होगा। पहले किसी राजनीतिक दल के लोग धर्म स्थानों पर नहीं जाते थे लेकिन इस बार चुनाव में वह घंटा घड़ियाल बजाते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्थिति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से बनी है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश तरक्की की चरम सीमा पर है। कोई दूसरा राजनीतिक दल यह नहीं कर सकता था। उनके मुताबिक आज कांवड़ यात्रा पर

पत्थर नहीं बसते बल्कि हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए जाते हैं। उनके मुताबिक प्रदेश में जो पूंजी निवेश बढ़ा सकें जनता को ऐसी सरकार चाहिए। उन्होंने नौजवानों का आह्वान किया कि कानपुर में पिछली बार जो तीन सीटें बच गई थीं। उन्हें भी इस बार जीता जाएगा और सभी विरोधी प्रत्याशियों की जमानत जब्त कराई जाएगी। इसके लिए जरूरी है कि अगड़ा, पिछड़ा सामान्य सभी मिल जाएं और एक साथ आगे बढ़ें। इसके बाद उपमुख्यमंत्री अंध विद्यालय के बच्चों से मिले और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में विजयी टीम के आलोक कुमार प्रजापति को तथा उपविजेता रही टीम के अमन सिंह को ट्राफी देकर सम्मानित किया।

कानपुर में बसपा कार्यकर्ता सम्मेलन में बोले सतीश चंद्र मिश्र, चुनाव के बाद फिर कृषि कानून लाएगी सरकार

कानपुर। भाजपा सरकार ब्राह्मणों का उत्पीड़न कर रही है प्रदेश में 500 से ज्यादा ब्राह्मणों की हत्या हो चुकी है। शादी के बाद भी अमर दुबे की पत्नी के हाथों की मेहंदी भी नहीं छूटी उसे अपराधी बताकर जेल भेज दिया गया।उसके साथ सरकार के इशारे पर अन्याय किया गया है। अब एक माह में यह अत्याचारी सरकार विदा होने वाली है। कार्यकर्ता गांव जाकर चुनाव की तैयारी में जुटे। उक्त बात चौबेपुर के एक गेस्ट हाउस में आयोजित बसपा के एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने कहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध व महिला उत्पीड़न चरम पर है सरकार हर मुद्दे पर फेल हो चुकी है। जगह जगह लूट हत्या जैसी जघन्य घटनाएं हो रही हैं और सरकार अपराधियों को बचाने में जुटी है। उन्होंने ब्राह्मण कार्ड को आगे रखते हुए कहा की प्रदेश में सबसे ज्यादा उत्पीड़न ब्राह्मणों का ही हुआ है उनकी हत्या कराई गई हैं। 16 वर्षीय अमर दुबे की पत्नी को अपराधी बना दिया गया। ब्राह्मण समाज यह अन्याय देख रहा है। वह समय आने पर निर्णय लेगा। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है। कृषि के काले कानून को वापस लेने में भी सरकार चालबाजी कर रही हैं। चुनाव बाद फिर से ऐसे कानून लगा देगी। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है उन्होंने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि वह संकल्प ले लेकर बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के लिए गांव में अभी से तैयारी शुरू कर दें इसके लिए बूथ कमेटी व पार्टी के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाए।

श्रीकाशी विश्वनाथधाम कारिडोर के लोकार्पण के दिन गंगा किनारे जलेंगे पांच लाख दीये

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथधाम के लोकार्पण के अवसर पर देवदीपावली की तर्ज पर गंगा किनारे पांच लाख दीपक जलेंगे। लेजर शो, आतिशबाजी के साथ रोशनी से समस्त मंदिर, शहर की गलियां, चौराहे व अन्य सार्वजनिक स्थान जगमग होंगे। इसके लिए तैयारियां वाराणसी में शुरू हो चुकी हैं। दूसरी ओर काशी पर्यटकों से पटने लगी है। प्रधानमंत्री के दो दिवसीय यात्रा (13 व 14 दिसंबर) के कार्यक्रम लगभग फाइनल हो गए हैं। हालांकि प्रोटोकाल अभी जारी नहीं हुआ है लेकिन अधिकारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 दिसंबर को श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण के बाद शाम को बोट से गंगा की सैर व गंगा आरती देखेंगे। इस दौरान भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री अगले दिन मुख्यमंत्रियों व जनप्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे। इसके बाद स्वर्वेद मंदिर, उमरहा व सीएनजी प्लांट, शहंशाहपुर जाएंगे। प्रधानमंत्री 14 दिसंबर को दोपहर बाद यहां से प्रस्थान करेंगे।

सजेंगी नावें, रंगीन रोशनी होगा

आकर्षण का केंद्र : श्रीकाशी विश्वनाथधाम के लोकार्पण के दिन सभी नावें सजेंगी। नाव पर लाइट भी भी व्यवस्था होगी। रंगीन लाइट आकर्षण का केंद्र होगी।

घरों पर दीपक जलाने की अपील : धाम के लोकार्पण के दिन सभी लोगों से प्रशासन की ओर से अपील की गई है कि घरों में दीये जलाएं। देवदीपावली की तरह की घरों को सजाएं । घर की तरह गली मुहल्ले को साफ रखें और व्यापक सफाई अभियान में सहयोग करें।

प्रधानमंत्री किसानों के सम्मेलन में भी लेंगे भाग : काशी में किसान सम्मेलन 23 दिसंबर को आयोजित है। अधिकारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री एक दिवसीय यात्रा पर पुनः 23 दिसंबर को काशी आएंगे। किसान सम्मेलन में भाग लेंगे। किसान सम्मेलन सीएनजी प्लांट शहंशाहपुर के सभागार में हो सकता है। 17 दिसंबर को महापौर का सम्मेलन निर्धारित है। प्रधानमंत्री सम्मेलन में आएंगे की नहीं यह तय नहीं पर बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री अगर आएंगे नहीं तो आनलाइन जुड़ेंगे।

दोस्ती तोड़ने पर फौजी ने छात्रा को दी थी भाई के सामने रेप की धमकी

नोएडा। नोएडा में एमएससी की छात्रा के साथ छेड़छाड़, पीछा करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने शुक्रवार को एक फौजी को गिरफ्तार किया है। छात्रा से दोस्ती टूटने पर फौजी ने उसके घर पर पत्थर फेंके थे और भाई के सामने उसका रेप करने की धमकी भरे पंपलेट चस्पा कर दिए थे।

छात्रा के परिजनों ने बीटा दो कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। बीटा-दो कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार राजपूत ने बताया पकड़ा गया आरोपी फौजी सुनील बैंसला हरियाणा पलवल के टीकरी गुर्जर गांव का रहने वाला है। आरोपी सेना में हवलदार के पद पर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि दो साल पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से आरोपी फौजी की दोस्ती ग्रेटर नोएडा में रहने वाली छात्रा से हुई थी। करीब दो महीने पहले छात्रा ने फौजी से दोस्ती तोड़कर किसी दूसरे युवक के साथ बातचीत शुरू कर दी थी। यह बात फौजी को नागवार गुजरी और उसने छात्रा से बदला लेने का फैसला किया। फौजी ने छात्रा से बदला लेने के लिए सेना से एक महीने की छुट्टी ली थी। उसने छात्रा का उसके घर तक पीछा करना शुरू कर दिया। फौजी एक दिन रात के समय छात्रा के घर पहुंचा और उसके घर पर पत्थर फेंके। आरोपी ने छात्रा के घर के बाहर पोस्टर चस्पा कर दिए। छात्रा को उसके भाई के सामने उसके साथ रेप करने और जान से मारने की धमकी दी। सिरफिरे फौजी की हरकतों से तंग आकर परिजनों ने पुलिस में शिकायत की।

मेरठ में बहन की ससुराल में विवाद के बाद चौकी आ रहे युवक को हाईवे पर दिनदहाड़े गोली मारी

मेरठ। सोमवार को दिनदहाड़े मेरठ बुलंदशहर हाईवे पर बहन की ससुराल में विवाद के बाद चौकी आ रहे घोसीपुर के पास बाइक सवार दो युवकों ने गोली मार दी। पुलिस ने घायल को मेरठ के संतोष अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। बुलंदशहर जनपद के सिकंदराबाद के मोहल्ला नवाज पूरा निवासी इमरान पुत्र हसमुद्दीन ने बताया कि उसकी बहन आयशा की शादी 6 वर्ष पूर्व घोसी पुर निवासी साबिर से हुई थी। शादी के बाद तीन बच्चे हैं। आरोप है कि तीन दिन पूर्व बहन की ससुराल में विवाद हो गया। विवाद के बाद इमरान अपनी बहन को लेकर बिजली बंबा चौकी पहुंचा और तहरीर देकर अपने घर चला गया। आरोप है कि उसे शनिवार को फोटो पुलिस ने बुलाया था। शनिवार करीब को इमरान अपने भाई आमिर और बहन आयशा को लेकर बिजली बंबा चौकी जा रहा था। जैसे ही वह घोशी पुर के पास पहुंचा तो बाइक पर तीन युवक घोसी पुर निवासी रोहिद और सानू व एक अज्ञात आए।

डा. प्रवीण तोगड़िया का प्रयागराज दौरा, त्रिवेणी संगम बांध स्थित लेटे हनुमान जी का दर्शन किया

प्रयागराज। श्रीराम मंदिर आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले व विश्व हिंदू परिषद से अलग होकर संगठित और सशक्त राष्ट्र के लिए कार्य कर रहे अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक व अध्यक्ष डा. प्रवीण तोगड़िया दो दिन के प्रयागराज प्रवास पर हैं। शनिवार को उन्होंने बंधवा वाले बड़े हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजन और दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने श्रीबाघम्बरी पीठाधीश्वर महंत बलवीर गिरि से भी आशीर्वाद लिया। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत नरेंद्र गिरि की मृत्यु पर भी शोक जताया। प्रयागराज आगमन पर प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर बन रहा है, यह खुशी की बात है। देश में राम राज्य लाना अभी बाकी है। यह तभी संभव होगा जब एक करोड़ से अधिक बेघर हिंदुओं को घर मिलेगा। उनके जीवन स्तर को भी सुधारना होगा। बेरोजगारों को रोजगार दिलाना होगा। प्रत्येक किसान को उनकी फसल की कीमत भी दिलानी होगी। उप मुख्यमंत्री केशव के ट्वीट

अयोध्या, काशी भव्य निर्माण जारी है, मथुरा की तैयारी है पर टिप्पणी करते हुए डा. तोगड़िया ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों के लिए संकल्प नहीं होता। उन्हें मजबूत इच्छा शक्ति के साथ कार्य करना चाहिए। संकल्प सत्ता से दूर बैठा व्यक्त ले तो बात समझ में आती है। भाजपा को चाहिए कि सदन में कानून बनाकर काशी और मथुरा में भव्य मंदिर का निर्माण करें। प्रत्येक सत्ताधारी दल को बताना होगा कि युवाओं को रोजगार दिलाने, सस्ती शिक्षा, आरोग्य जीवन व खुशहाल किसान के लिए क्या रोड मैप है। इन्हीं समस्याओं के समाधान से देश में रामराज्य आएगा। संगमनगरी आगमन के प्रयोजन के सवाल पर डा. तोगड़िया ने कहा कोरोना के चलते दो वर्षों से सभी गतिविधियां बंद थीं। अब कार्यकताओं की कुशल जानने निकले हैं। संगठन ने अखंड भारत के साथ वीर हिंदू, विजेता हिंदू का संकल्प लिया है। इस अभियान को पूरा करने के लिए मैं व्यायाम करूंगा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। त्रिशूल धारण और 20 हजार स्थानीय परिवारों में राष्ट्र पूजन भी किया जाएगा।

सौ में से आठ लड़कियों की कम उम्र में शादी नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे में हुआ खुलासा

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले में 8 फीसदी नाबालिग लड़कियों के मां-बाप उनकी जबरन शादी कर रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की ताजा रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। सर्वे के दौरान सैंपल के तौर पर अलग अलग स्थानों पर चुनिंदा घरों में जाकर सवाल पूछे गए। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की टीम (एनएफएचएस) ने हाल ही में गाजियाबाद में 20 से 24 साल की विवाहिताओं पर सर्वे किया था। इस दौरान उनसे पूछा गया कि उनकी शादी किस उम्र में हुई है। इसके जवाब में गाजियाबाद में हर 100 में से आठ लड़कियों ने बताया कि उनकी शादी 18 साल की उम्र से पहले ही कर दी गई थी। किसी ने शादी की उम्र 16 साल बताई तो किसी ने 15 साल। यानी हर साल जिले में लाखों लड़कियों की शादी 18 साल से कम उम्र में होती है, जिनमें से हजारों लड़कियां इस कुप्रथा की शिकार हो रही हैं, जबकि विभागीय अधिकारी दावा कर रहे हैं कि बेटियों को इस तरह की कुप्रथाओं से बचाने के लिए वन स्टॉप सेंटर और महिला शक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

अमेठी में सोते समय ग्राम प्रधान की गोली मारकर हत्या, घटनास्थल पर कई थानों की पुलिस तैनात

अमेठी। जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के गांव निजामुद्दीनपुर में बीती रात प्रधान की घर में सोते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद हमलावर गोमती नदी के किनारे से भाग निकले। सूचना के बाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हत्या के पीछे जमीनी रंजिश की बात कही जा रही है पर मृतक के बेटे ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करवाया है। निजामुद्दीनपुर गांव के 55 वर्षीय मौजूदा प्रधान गुरु शरण यादव शुक्रवार की रात अपने घर के बरामदे में सोये हुए थे। मध्यरात्रि अज्ञात हमलावरों ने सोते समय प्रधान को सिर व पीठ में दो गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर गोमती नदी के किनारे से पगडंडीनुमा रास्ते से भाग निकले। मृतक के पुत्र धर्मेंद्र ने बताया कि गांव में कुछ लोगों से जमीनी रंजिश थी। जिसे लेकर कई बार पुलिस के पास शिकायत की गई थी। पुलिस मामले में कोई ठोस पहल करने की बजाय टालमटोल कर मामले को दबा दिया था। घटना को लेकर गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं प्रधान की हत्या को लेकर तरह-तरह की चचाएं ग्रामीणों की जुबान से सुनीं जा रही है। घटना स्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार पांडेय समेत कई थानों की पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम व एसओजी टीम पहुंची हुई हैं। सीओ मनोज कुमार यादव ने बताया कि प्रधान की हत्या की जांच में रंजिश समेत कई बिंदु शामिल किये गए हैं। मृतक के बेटे सत्येंद्र बहादुर की ओर से अज्ञात लोगों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराए जाने की तहरीर दी गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। निजामुद्दीनपुर गांव में प्रधान की हत्या की खबर आसपास के इलाके फैलते ही लोगों की भीड़ पीड़ित के घर जमा हो गई। पीड़ित परिवार को सांन्त्वना देने वालों में गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह, कांग्रेस एमएलसी दीपक सिंह, राजकुमार यादव समेत तमाम लोग पहुंचे हैं।

समाजवादी युवजनसभा प्रदेश सचिव बने शैलेश चौधरी

बस्ती। समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के निर्देश पर शैलेश चौधरी को समाजवादी युवजन सभा राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किया है। शैलेश चौधरी को समाजवादी युवजन सभा राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किये जाने पर सपा जिला अध्यक्ष महेन्द्र नाथ यादव , यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह , वरिष्ठ सपा नेता अयाज अहमद, यूनुस आलम , अजय श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, भोला पाण्डेय, जावेद पिंडारी, प्रवीण चौधरी ,मोनू गौतम, मो उमर, अनिरुद्ध चौधरी, अरविंद सोनकर, प्रशांत यादव, गिरजेश गौड़, राजा आलम, इरशाद अहमद, मोनू खान, पिंट, दिलीप चौधरी, वीरेंद्र सिंह, परवेज अख्तर, वीरेंद्र पाण्डेय, विवेक शुक्ला, सहित पार्टी के अनेक नेताओं, पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

डॉ. आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर घोषित हो अवकाश

मऊ। उत्तर प्रदेशीय अनु.जाति/अनु.जनजाति बेसिक शिक्षक महासंघ उ.प्र., महाबोधि समाज सेवा समिति उ.प्र.एवं सोशल जस्टिस एडवोकेट फोरम मऊ द्वारा डॉ. रामविलास भारती के नेतृत्व में संयुक्त रुप से संविधान निमार्ता भारतरत्न बाबा साहेब डॉ भीम राव आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस (6 दिसम्बर) पर सार्वजनिक अवकाश करने सम्बन्धी मुख्यमंत्री मंत्री उत्तर प्रदेश को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट को दिया गया। जिसमें जनपद के शिक्षकगण, अधिवक्तागण एवं सामाजिक कार्यकर्ता सम्मिलित रहे। ज्ञापन देने के दौरान वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामविलास भारती ने कहा कि भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. आम्बेडकर जो भारत के संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष थे, का परिनिर्वाण दिवस 6 दिसम्बर को है। इस तिथि को पूर्व में सार्वजनिक अवकाश रहा है। क्योंकि करोड़ों भारतीयों के साथ लाखों शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. आम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस पर संगोष्टियाँ एवं जनहितकारी कार्यक्रम आदि करके मनाया जाता है। अवकाश न

होने की स्थिति में हमारी भावनाएं आहत होती हैं और हम सब इससे वंचित हो जाते हैं। इसलिए 6 दिसम्बर बाबा साहेब डॉ. आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाय। शासन द्वारा सार्वजनिक अवकाश न मिलने पर हम सभी सांयोगिक अवकाश (आकस्मिक अवकाश) पर रहेंगे। डॉ. आम्बेडकर हम भारतीयों के आन-मान व शान हैं। इस अवसर पर एडवोकेट प्रेमचन्द कौशल ने कहा कि कानूनविद डॉ आम्बेडकर के विचारों के प्रचार प्रसार के लिए आवश्यक है कि इनके परिनिर्वाण की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाया जाय। एडवोकेट वीरेन्द्र यादव ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. आम्बेडकर की रोशनी में हमे अपनी भूमिका तलाशनी होगी। डॉ. तेजभान ने कहा कि बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर देश के सभी नागरिकों के लिए सम्माननीय हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष महासंघ बाबूराम, महामंत्री सुभाष चन्द राम, एडवोकेट वीरेन्द्र यादव, एडवोकेट प्रेमचन्द कौशल तपेश्वर राम, डॉ. तेजभान, दुक्खी प्रसाद, रामशरीख राम, मनोज कुमार, एडवोकेट केके यादव, अशोक कुमार, एडवोकेट विजय यादव, आदि उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय रैली का हुआ आयोजन

रतनपुरा, मऊ। स्थानीय बाजार स्थित नेहरू इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रांगण में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय रैली हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुई। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ संतोष कुमार सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख रतनपुरा के प्रतिनिधि कृष्णा राजभर, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी मनोज तिवारी, खंड शिक्षा अधिकारीगण अजब सिंह, शशिकांत, रवि प्रकाश एवं विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. संतोष कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं मार्च पास्ट की सलामी ली गई। अपने संबोधन में डा. संतोष कुमार सिंह द्वारा बालकों की अपेक्षा बालिकाओं की सहभागिता पर हर्ष व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि कुल 11 टीमों में से 9 टीमें बालिकाओं की है जो ह्लबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्व अभियान का प्रतिफल है। कार्यक्रम की

अध्यक्षता करते हुए नेहरू इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थी जीवन में खेलकूद की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि सच्ची खेल भावना से विद्यार्थियों में अनुशासन की भावना का विकास होता है। कार्यक्रम के संयोजक व विकास खंड रतनपुरा के खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम देकर किया।अपने संबोधन में श्री मिश्र ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है सभी विद्यालयों पर शासन की मंशा के अनुरूप खेल सामग्री उपलब्ध है। हमारे शिक्षक मनोयोग से बच्चों को तैयार कर रहे हैं इसी का परिणाम है कि कम समय में इतना सुंदर आयोजन संभव हो पाया। कार्यक्रम के अंत में विजेता टीमों को पुरस्कार वितरण किया गया।

मयंक के शतक से भारत मजबूत

न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट के पहले दिन खेल समाप्ति तक भारत ने चार विकेट पर 221 रन बनाए

मुंबई। सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (120) की शतकीय पारी की बदौलत भारतीय क्रिकेट टीम चार बड़े विकेट गंवाने के बावजूद शुक्रवार को मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच के पहले दिन के खेल तक 221 रन बनाने में सफल रही।

फिलहाल मयंक के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा क्रीज पर हैं, जो 25 रन पर खेल रहे हैं। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी हो चुकी है। मयंक ने शानदार 120 रन बनाए हैं। भारत ने अब तक शुभगन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली और श्रेयस के रूप में चार विकेट खोए हैं। यह सभी विकेट लेफ्ट आर्म स्पिनर एजाज पटेल ने लिए हैं। जो पिछले मैच में भी अच्छे दिखे थे और चार विकेट लेने में सफल रहे थे। भारत ने मैच की अच्छी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाजों मयंक और शुभमन ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 80 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। 80 रन एक भी विकेट न गिरने जैसी अच्छी स्थिति से भारत अचानक मुसीबत में पड़ गया जब अचानक उसके तीन विकेट गिर गए। 28वें ओवर में मैच का रुख पलटा, जब शुभमन ने पिछले ओवर में सोमरविले की तरह एजाज पटेल को आक्रामक तरीके से खेलना चाहा, लेकिन दुर्भाग्यवश वह स्लिप में कैच थमा बैठे। इसके बाद एजाज ने अपने अगले ओवर में पुजारा और कप्तान विराट कोहली को शून्य पर आउट कर दिया। विराट का पगबाधा आउट हालांकि दिन भर सवालों के घेरे में रहा। सोशल मीडिया पर उनके आउट होने का एक वीडियो सामने आया, जिसमें दिखा कि गेंद पहले बल्ले को छू रही है, लेकिन फिर भी भारतीय अंपायर विरेंद्र शर्मा द्वारा विराट को आउट दिया गया। इस पर उन्हें जम कर ट्रॉल किया गया। चार बड़े गिरने के बाद मयंक ने पिछले मैच के हीरो श्रेयस अय्यर के साथ मिल कर पारी को संभालने की कोशिश की और वह इसमें काफी हद तक कामयाब रहे। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 80 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, लेकिन 48वें ओवर में एजाज ने श्रेयस को भी अपनी फिरकी में फंसाया। 160 के स्कोर पर श्रेयस के रूप में भारत का चौथा बड़ा विकेट गिरा। वह 18 रन ही बना पाए। मयंक हालांकि दूसरे छोर पर जमे रहे और फिर रिद्धिमान साहा के साथ पारी को आगे बढ़ाया। भारत ने पहले दिन शुक्रवार को कुल 70 ओवर खेले और चार विकेट के स्कोर पर 221 रन बनाए। न्यूजीलैंड की तरफ से एजाज पटेल को छोड़ कर अन्य गेंदबाज आज मशक्कत करते दिखे। उल्लेखनीय है कि आज बारिश के कारण मैदान गीला होने के कारण टॉस में देरी हुई।

मयंक ने 13 पारियों के बाद जड़ा शतक

मयंक अग्रवाल ने अपनी 24वीं टेस्ट पारी में चौथा शतक पूरा किया। उन्होंने 13 पारियों के बाद शतकीय पारी खेली। बता दें कि खराब फॉर्म के चलते मयंक को ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अंतिम एकादश से बाहर कर दिया था और कानपुर टेस्ट से उन्होंने वापसी की। मयंक ने मुंबई में फॉर्म में वापसी करते हुए बढ़िया शतक जमाया। मयंक ने भारत में चौथी बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया और हर बार उसको शतक में बदलने में सफल रहे।

कप्तान कोहली ने की धोनी के 10 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी

विराट कोहली ने मुंबई में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम किया। बतौर कप्तान टेस्ट में वह एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय कप्तान हैं। इस मामले में उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के 10 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की। बतौर कप्तान विराट कोहली 2021 में चार बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर कोहली 2021 कैलेंडर ईयर में पांच बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। चार टेस्ट पारियों को छोड़कर कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 में भी शून्य पर आउट हो चुके हैं। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। इससे पहले धोनी 2011 में चार बार टेस्ट में बतौर कप्तान शून्य पर आउट हो चुके हैं। वहीं, भारत के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव 1983 में और दिग्गज स्पिन गेंदबाद बिशन सिंह बेदी 1976 में चार-चार बार बतौर कप्तान शून्य पर आउट हो चुके हैं। खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर होने की कगार पर खड़े भारतीय उपकप्तान अजिंक्य रहाणे, तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और हरफनमौला रविंद्र जडेजा को चोटों के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए। वहीं कोहली, जयंत यादव और सिराज की अंतिम दकादश में वापसी हुई

सात साल में तीसरी बार एक ही पारी में शून्य पर आउट हुए पुजारा और कोहली

चेतेश्वर पुजारा और कप्तान विराट कोहली पिछले सात साल में तीसरी बार एक ही टेस्ट की एक ही पारी में शून्य पर आउट हुए । इस शर्मनाक रिकॉर्ड ने अजिंक्य रहाणे के बाद चेतेश्वर पुजारा की टीम में जगह पर भी खतरा में हैं। पुजारा और कोहली पहली बार 2014 में ओल्ड-ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही पारी में शून्य पर आउट हुए थे। तब इंग्लिश टीम ने भारत को इस टेस्ट में शिकस्त दी थी। इसके बाद 2018 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में भी दोनों एक ही पारी में शून्य पर आउट हुए।

मयंक ने कहा, कोच द्रविड़ की सलाह का फायदा मिला

नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले मयंक अग्रवाल को ने कहा, जब मुझे अंतिम एकादश में चुना गया तो राहुल भाई ने मुझसे बात की जिसका मुझे फायदा मिला। उन्होंने मुझसे कहा कि जो मेरे हाथ में है उसे नियंत्रित करो और मैदान में उतर कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो। उन्होंने कहा, उन्होंने (द्रविड़) मुझसे कहा था, जब आपको अच्छी शुरुआत मिल जाए तब उसे बड़ी पारी में बदलने की कोशिश करो। मुझे जो शुरुआत थी, उसे भुनाने में खुशी है। लेकिन राहुल भाई की ओर से वह संदेश बिल्कुल साफ था कि मैं इसे यादगार बनाऊं।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
मयंक अग्रवाल नाबाद	120	246	14	4
शुभमन गिल कै. टेलर बो. एजाज पटेल	44	71	7	1
चेतेश्वर पुजारा बो. एजाज पटेल	00	05	0	0
विराट कोहली पगबाधा एजाज पटेल	00	04	0	0
श्रेयस कै. ब्लंडल बो. एजाज पटेल	18	41	3	0
साहा नाबाद	25	53	3	1

अतिरिक्त: 14, कुल: 70 ओवर में चार विकेट पर 221 रन **विकेट पतन:** 1-80, 2-80, 3-80, 4-160, **गेंदबाजी:** टिम साउदी 15-5-29-0, जेमीसन 9-2-30-0, एजाज पटेल 29-10-73-4, समरविल 8-0-46-0, रचिन रविंद्र 4-0-20-0, डैरिल मिचेल 5-3-9-0,

भारत का सपना तोड़ फाइनल में पहुंचा जर्मनी

जूनियर विश्व कप: अर्जेंटीना से होगी खिताबी टक्कर

भुवनेश्वर। छह बार के विजेता जर्मनी ने गत चैंपियन भारत को दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को 4-2 से पराजित कर जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका मुकाबला अर्जेंटीना से होगा जिसने पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को मुकाबला गोलरहित बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से हराया। जर्मनी ने कलिंगा स्टेडियम में पहले हाफ में चार गोल की बढ़त के साथ अपनी जीत सुनिश्चित कर ली थी। जर्मनी अब आठ साल बाद अपना पहला खिताब जीतने से एक कदम दूर रह गया है। जर्मनी ने अपने छह खिताबों में से आखिरी खिताब 2013 में नई दिल्ली में जीता था। उसके बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2016 में लखनऊ विश्व कप में तीसरा स्थान रहा था। जर्मनी आठवीं बार फाइनल में पहुंचा है। भारतीय टीम इस हार के बाद अब कांस्य पदक के लिए पांच दिसम्बर को फ्रांस से भिड़ेगी।

जर्मनी की टीम ने भारत के खिलाफ दागे चार गोल

पहले दो क्वॉर्टर के मुकाबले तीसरे क्वॉर्टर में कोई गोल नहीं हुआ और जर्मनी 4-1 से आगे रहा। भारत ने आखिरी क्वॉर्टर के 49वें मिनट में एक और गोल जरूर किया लेकिन यह जर्मनी को फाइनल में जाने से रोकने के लिए काफी नहीं था। अंतिम परिणाम 4-2 से जर्मनी के पक्ष में रहा। दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी ने पहले 25 मिनट तक चार गोल दागकर कलिंगा स्टेडियम में बैठे भारतीय समर्थकों को खामोश कर दिया था। भारत की तरफ से दो गोल सुदीप चिरमाको ने 25वें और बॉबी सिंह धामी ने 49वें मिनट में किए। जर्मनी ने 15वें मिनट में गोल कर बढ़त बनायी। भारत अभी इस झटके से संभल भी नहीं पाया था कि जर्मनी ने 21वें, 24वें और 25वें मिनट में तीन गोल दागकर भारत को स्तब्ध कर दिया। पहले सेमीफाइनल में निर्धारित समय तक मुकाबला गोल रहित बराबर रहने के बाद अर्जेंटीना ने 3-1 से बाजी मार ली।

एलपीएल में 50 प्रतिशत दर्शकों को मंजूरी

कोलंबो। श्रीलंका के लीग क्रिकेट टूर्नामेंट लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के पांच से 23 दिसंबर तक होने वाले दूसरे संस्करण के लिए केवल 50 प्रतिशत दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति होगी। श्रीलंका क्रिकेट ने इसकी घोषणा की है। समझा जाता है कि कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय की सिफारिश के बाद यह निर्णय लिया गया है। मंत्रालय की सिफारिश के मद्देनजर श्रीलंका सरकार, क्रिकेट बोर्ड और लीग के आयोजकों की ओर से टूर्नामेंट के दौरान सभी एहतियातन उपायों को सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत योजना भी लागू की जाएगी।लीग मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम, जबकि नॉकआउट मैच महिंदा राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे।

मेदवेदेव ने रूस को डेविस कप सेमीफाइनल में पहुंचाया

मैड्रिड। डेनिल मेदवेदेव ने डेविस कप फाइनल्स में अपना शानदार रिकॉर्ड कायम रखते हुए रूस को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

मेदवेदेव ने मिखाइल यामेर को 6-4, 6-4 से हराकर रूस को क्वॉर्टर फाइनल में स्वीडन पर 2-0 की बढत दिला दी। आंद्रेइ रूबलेव ने इससे पहले मिखाइल के बड़े भाई एलियास यामेर को 6-2, 5-7, 7-6 से हराया। रूस का सामना सेमीफाइनल में जर्मनी से होगा। सर्बिया दूसरे सेमीफाइनल में क्रोएशिया से खेलेगा। मेदवेदेव ने इससे पहले ग्रुप चरण में स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा और इक्वाडोर के एमिलियो गोमेज को हराया था।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 2-0 से किया क्लीन स्वीप

आखिरी टेस्ट में विंडीज को 164 रन से हराया मेंडिस व लसित की घातक गेंदबाजी

गाले। स्पिन गेंदबाजों प्लेयर ऑफ द सीरीज रमेश मेंडिस (6/70, 5/66) और लसित एम्बुलदेनिया (2/94, 5/35) की घातक गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने यहां आखिरी टेस्ट के अंतिम दिन वेस्टइंडीज को 164 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया।

जीत के लिए 297 रन का पीछा करने उतरी मेहमान टीम वेस्टइंडीज 56.1 ओवर में 132 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने 164 रन से बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-0 से अपने नाम की। श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 132 रन पर ऑलआउट किया और टीम को जीत दिलाई। रमेश को पूरी सीरीज में 15 विकेट लेने के लिए चुना लिए। धनंजय डी सिल्वा को नाबाद शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिला। धनंजय की 155 रन की नाबाद पारी की बदौलत ही श्रीलंका वेस्टइंडीज को 300 के करीब का लक्ष्य दे पाया। श्रीलंका ने 121.4 ओवर में नौ विकेट पर 345 रन बना कर पारी घोषित की। निसांका ने 66 और एम्बुलदेनिया ने महत्वपूर्ण 39 रन बनाए। वेस्ट इंडीज की तरफ से लेफ्ट आर्म स्पिनर वीरसामी पेरमॉल ने मैच में आठ विकेट लिए।

टेस्ट चैंपियनशिप: श्रीलंका टॉप पर, भारत तीसरे नंबर पर फिसला

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को दो मैचों की सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप करने के साथ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के प्वॉइंट टेबल में 100 फीसदी परसेंटेज ऑफ प्वॉइंट्स के हिसाब से टॉप पर बरकरार है। भारत तीसरे नंबर पर फिसल गया है। पाकिस्तान ने भारत की जगह ले ली है और वो टॉप 2 में पहुंच गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा है। पहला टेस्ट ड्रॉ हुआ था।

सिंधू अंतिम ग्रुप मैच में हारीं, श्रीकांत बाहर

सेमीफाइनल में पहले ही स्थान पक्का कर चुकीं हैं सिंधू

बाली। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में पहले ही सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर चुकी भारत की पीवी सिंधू को शुक्रवार को ग्रुप ए के अपने तीसरे और अंतिम महिला एकल मैच में थाईलैंड की शीर्ष वरीय पोर्नापावी चोचुवोंग से तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू दुनिया की 10वें नंबर की चोचुवोंग पर दबाव नहीं बना सकीं और एक घंटे 11 मिनट तक चले मैच में 12-21 12-19 14-21 से हार गयीं। यह 2016 विश्व जूनियर चैम्पियन चोचुवोंग के खिलाफ सात भिड़ंत में सिंधू की तीसरी हार है। इस तरह सिंधू ग्रुप ए में चोचुवोंग के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। अब उनकी सेमीफाइनल की प्रतिद्वंद्वी का फैसला ड्रॉ में दिन के अन्य मुकाबले से तय होगा। इससे पहले किदाम्बी श्रीकांत मलेशिया के ली जि जिया के हाथों ग्रुप बी का तीसरा और आखिरी मैच सीधे गेम में हारकर सत्र के आखिरी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी को आल इंग्लैंड चैम्पियन ली ने 37 मिनट में 21-19 21-14 से हराया। दुनिया के आठवें नंबर के मलेशियाई खिलाड़ी के हाथों श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। वह हाइलो ओपन में भी उससे हार गए थे।

अश्विनी-सिक्की ने जीत के साथ समाप्त किया अभियान

अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की अनुभवी भारत महिला युगल जोड़ी ने शुक्रवार को जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया। अश्विनी और सिक्की की जोड़ी ने क्लो बिर्च और लॉरेन स्मिथ की अंग्रेजी जोड़ी को तीन सेटों के मैच में 21-19, 9-21, 21-14 से हराया। खेल की शुरुआत कड़ी प्रतिस्पधा से हुई, लेकिन भारतीय जोड़ी खेल के मध्य तक एक अंक की बढ़त के साथ 11-10 से आगे रही।

मप्र वाटर स्पोर्ट्स रोइंग अकादमी की दो खिलाड़ियों का एशियन चैंपियनशिप के लिए चयन

भोपाल। मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स रोइंग अकादमी की दो खिलाड़ियों का चयन सीनियर एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है। चैंपियनशिप के लिए भारतीय शिविर का आयोजन ओडिशा के जगतपुर स्थित साई सेंटर में विगत 45 दिनों से जारी था। इस शिविर में मप्र की दोनों खिलाड़ियों ने भागीदारी की और अपने प्रदर्शन से भारतीय टीम में स्थान पक्का किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने बधाई देते हुए एशियन चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी है। एशियन चैंपियनशिप का आयोजन 8 से 12 दिसंबर तक थाईलैंड में होने जा रहा है। रोइंग के मुख्य प्रशिक्षक दलबीर सिंह ने बताया कि अकादमी की खुशप्रीत कौर का चयन क्वार्टर पुल स्कल स्पर्धा में भारतीय टीम में हुआ है। वहीं, रूकमणि दांगी का चयन डबल स्कल में हुआ है। खिलाड़ी ओडिशा शिविर से सीधे थाईलैंड के लिए रवाना होंगे।

शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते रजत व कांस्य

भोपाल। मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 64वीं राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप-2021 में एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। दिल्ली में खेली जा रही इस चैंपियनशिप में मप्र शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक एक स्वर्ण सहित कुल छह पदक अपने नाम कर लिए है। चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली में 18 नवंबर से 6 दिसंबर तक किया जा रहा है। दिल्ली में खेली जा रही चैपियनशिप में 25 मीटर स्टेंडर्ड पिस्टल जूनियर मेन टीम ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम में उदित जोशी, गुरमान सिंह और हरिओम चावड़ा शामिल है। वहीं, 25 मीटर स्टेंडर्ड पिस्टल जूनियर मेन सिविलियन टीम ने कांस्य पदक पर निशाना साधा। इस टीम में मप्र अकादमी के यशराज यादव, उदित जोशी और हरिओम चावड़ा शामिल रहे। मप्र अकादमी के खिलाड़ी मुख्य प्रशिक्षक श्री जसपाल राणा के मार्गदर्शन में चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इस चैंपियनशिप में उदित जोशी ने स्वर्ण और एक रजत, टीम इवेंट में उदित जोशी, हरिओम, अक्शद तांबे की तिकड़ी ने कांस्य, टीम इवेंट उदि, हनी जाट, हरिओम की टीम ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया था।

बीसीसीआई की सालाना बैठक आज

कोलकाता। बीसीसीआई की आम सभा की 90वीं सालाना बैठक के दौरान शनिवार को यहां कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रोन के प्रसार के बीच भारतीय क्रिकेट टीम के आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर फैसला लिया जाएगा। बैठक के 24 बिंदुओं के एजेंडे में भावी दौरा कार्यक्रम पर अपडेट भी शामिल है जिसमें इस पर बात की जायेगी। कहा जाता है कि ओमीक्रोन डेल्टा वैरिएंट की तुलना में तेजी से फैलता है। भारत सहित दुनिया भर में इसे लेकर चौकसी बरती जा रही है। यह वैरिएंट दक्षिण अफ्रीका से निकला है। टीम इंडिया को नौ दिसंबर को जोहानिसबर्ग रवाना होना है लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि दौरा होगा या नहीं। भारतीय टीम को सात सप्ताह के दौरे पर तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी20 मैच खेलने हैं। यह श्रृंखला बैठक के आधिकारिक एजेंडे में नहीं है लेकिन भावी दौरा कार्यक्रम पर बातचीत के दौरान इस पर चर्चा हो सकती है। इंग्लैंड दौरे पर सितंबर में भारतीय टीम टेस्ट श्रृंखला में 2-1 से आगे थी लेकिन टीम बबल में कोरोना मामले आने के बाद आखिरी टेस्ट नहीं खेला जो अब जुलाई 2022 में होगा।

स्क्वाश चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष टीम फाइनल में, महिला टीम हारी

कुआलालंपुर। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में हांगकांग पर 2-0 की जीत के साथ 20 वीं एशियाई स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई तो वही तीसरी वरीयता प्राप्त महिला टीम को अंतिम चार मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं को शीर्ष खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने सेमीफाइनल में टीम को शानदार शुरुआत दिलाई लेकिन उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुषों के मैच में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सौरव घोषाल ने 55 मिनट तक चले मैच के शुरुआती गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 10-12, 11-6, 11-6, 15-13 से जीत दर्ज करने के साथ फाइनल में टीम की जगह पक्की की। इससे पहले रमित टंडन ने हेनरी लायुंग को हराकर शानदार शुरुआत दी। भारतीय टीम फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया से भिड़ेगी।

अंडर-19 विश्व कप में पाकिस्तान की अगुआई करेंगे कासिम अकरम

कराची। युवा आलराउंडर कासिम अकरम अगले साल वेस्टइंडीज में होने वाले आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में पाकिस्तान की अगुआई करेंगे। जूनियर मुख्य चयनकर्ता सलीम जाफर ने कहा, हमने ऐसे खिलाड़ियों की पहचान और चयन किया है जिनमें ना सिर्फ इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है बल्कि उनका भविष्य भी उज्जवल है। पाकिस्तान 2003 और 2005-06 में लगातार दो अंडर-19 विश्व कप जीतने के बाद से दोबारा यह खिताब नहींजीत पाया है। दक्षिण अफ्रीका में 2020 की शुरूआत में पिछला विश्व खिताब बांग्लादेश ने जीता था। पाकिस्तान की टीम में चुने गए चार खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका में पिछले विश्व कप में भी टीम का हिस्सा थे जिसमें कासिम के अलावा सलामी बल्लेबाज अब्दुल वाहिक बंगालजई और मोहम्मद शहजाद तथा मध्यक्रम के बल्लेबाज इरफान खान नियाजी शामिल हैं। पाकिस्तान शाहीन्स और अंडर-19 कोच इजाज अहमद विश्व कप और एशिया कप में सहयोगी स्टाफ के प्रमुख होंगे।

800 से ज्यादा गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने रोनाल्डो

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आर्सेनल को 3-2 से हराया

मैनचेस्टर। पुर्तगाल और मैनचेस्टर यूनाइटेड के स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने फुटबॉल करियर में एक अनूठी उपलब्धि हासिल की है। वह 800 या उससे ज्यादा गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने यह करिश्मा प्रीमियर लीग में आर्सेनल के खिलाफ खेले गए मैच में किया।

इस दौरान उन्होंने मुकाबले दो गोल करते हुए अपने करियर का 800 और 801वां गोल दागा। इस मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आर्सेनल को 3-2 से पटखनी दी। रोनाल्डो की इस उपलब्धि पर उन्हें कई दिग्गजों ने बधाई दी है। प्रीमियर लीग के इस मैच में आर्सेनल की तरफ से इमाइल स्मिथ रोव ने खेल के 13वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से ब्रूनो फर्नांडेज ने 44वें मिनट में गोल कर टीम को बराबरी पर ला दिया। इस बीच 52वें मिनट में रोनाल्डो ने गोलकीपर को छकाते हुए गोल दागा। यह उनके करियर का 800वां गोल था। अगले दो मिनट के बाद 54वें मिनट में आर्सेनल के मार्टिन ओटेगार्ड ने गोल कर अपनी टीम को बराबर पर ले आए। इसके बाद खेल के 70वें मिनट में एक बार फिर रोनाल्डो का करिश्मा देखने को मिला। इस दौरान उन्होंने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। यह रोनाल्डो के फुटबॉल करियर का 801वां गोल था। इस जीत के साथ ही मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में 7वें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, आर्सेनल 23 अंकों के साथ 5वें स्थान पर है। मैच के दौरान मैनचेस्टर यूनाइटेड के नए अंतरिम मैनेजर राल्फ रंगनिक भी इस दौरान स्टैंड में मौजूद रहे। वहीं पिछले 2 मैच में केयरटेकर मैनेजर की भूमिका निभाने वाले माइकल कैरिक ने क्लब से अपना तोड़ने का फैसला किया।

दिग्गजों ने की रोनाल्डो की तारीफ

प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले एलन शीयर रोनाल्डो के प्रदर्शन से दंग रहे गए। उन्होंने कहा, आपको वहां बैठना है और सिर्फ वाह कहना है और रोनाल्डो की सराहना करना है। उन्होंने आगे कहा शीर्ष पर पहूंचना बहुत मुश्किल है लेकिन वहां पर बने रहना और भी कठिन है, आपको सुबह उठकर फिर से जाना है और पूरी दुनिया आपको हर हफ्ते प्रदर्शन करने के लिए देख रही है, रोनाल्डो ने जो किया है वह सिर्फ अभूतपूर्व है। वहीं, आर्सनल के पूर्व फॉरवर्ड थियरी हेनरी ने कहा 36 वर्षीय रोनाल्डो के रिकॉर्ड के बराबरी करने के लिए उन्हें दो बार जन्म लेने की आवश्यकता होगी।

जुवेंट्स के लिए खेलते हुए रोनाल्डो ने दागे 686 क्लब गोल

पुर्तगाल के बेहतरीन फुटबॉलर रोनाल्डो ने स्पोर्टिंग लिस्बन, मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और जुवेंट्स के लिए खेलते हुए 686 क्लब गोल दागे हैं। इसके अलावा उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल जगत में 115 गोल किए हैं। इस तरह कुल मिलाकर रोनाल्डो ने 801 गोल कर चुके हैं। फुटबॉल इतिहास में रोनाल्डो ने सबसे ज्यादा गोल किए हैं इस बात को लेकर विवाद है। ऐसा कहा जाता है कि चेक रिपब्लिक के जोसेफ बीकन ने सबसे ज्यादा गोल किए है। चेक एफए दावा करता है कि महान स्ट्राइकर बीकन ने अपने फुटबॉल करियर में 821 गोल किए। लेकिन आधिकारिक फुटबॉल आंकड़ा सका खंडन करता है। ऑफिशियल फुटबॉल स्टैटिस्टिक्स का अनुमान है कि बीकन ने 759 गोल किए जिसमें उन्होंने 730 क्लब गोल और 29 गोल राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हुए किए थे।

मध्य गायन प्रतियोगिता के अधार पर परिषदीय पदाधिकारियों का हुआ चयन

चकिया। सावित्री बाई फुले राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चकिया में शनिवार को महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में सांस्कृतिक-परिषद के संयोजिका डॉ अमिता सिंह के कुशल निर्देशन में विभिन्न कक्षाओं के छात्र छात्राओं के मध्य गायन प्रतियोगिता के आधार पर सत्र 2021-2022 के परिषदीय पदाधिकारियों का गठन किया गया। इस आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि बतौर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता सिन्हा ने माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके उपरांत संध्या विश्वकर्मा ने माता सरस्वती कीस्तुति गायन प्रस्तुत की। इसके आधार पर अध्यक्ष रंजना (एम. ए फाइनल वर्ष) उपाध्यक्ष वृस्तरिता (एम. ए प्रथम वर्ष.), सचिव जागृति पाठक (बी. ए तृतीय), संयुक्त सचिव आयुष गुप्ता(बी. ए द्वितीय), कोषाध्यक्ष प्रतिभा (बी.ए प्रथम) एवं सदस्य खुशबू (एम. ए द्वितीय वर्ष), सत्यभामा (एम. ए प्रथम),कुमारी पूनम (बी. ए तृतीय),कुमारी ज्योति(बी.ए द्वितीय)और हरीश(बी. ए प्रथम) आदि निर्वाचित हुए। इस कार्यक्रम का अध्यक्षीय सम्बोधन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता सिन्हा ने अपने आशीर्वचन से उपस्थित छात्र-छात्राओं को संस्कृतिक क्रियाकलापों के प्रति मनोबल बढ़ाने का कार्य सम्पादित किया। इस कार्यक्रम का स्वागत समारोह डॉ अमिता सिंह, धन्यवाद ज्ञापन डॉ संतोष कुमार यादव एवं मंच-संचालन रमाकांत गौड़ ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ सरवन कुमार यादव,डॉ कलावती, डॉ मिथिलेश कुमार सिंह, डॉ प्रियंका पटेल,श्री बिन्द कुमार,डॉ समशेर बहादुर , सुरेन्द्र सिंह, विश्व प्रकाश शुक्ल आदि अध्यापकगण, कर्मचारी गण एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बाबा साहब की मनाई जायेगी परिनिर्वाण दिवस - रामबरन

चकिया। विकास खंड चकिया के सोनहुल ग्राम सभा में 6 दिसम्बर को परिनिर्वाण दिवस को लेकर ग्रामीणों द्वारा गांव में स्थित बाबा भीमराव अंबेडकर स्थल पर बैठक किया गया। बैठक में प्रतिवर्ष वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा साहब का परिनिर्वाण दिवस मनाने की तैयारी को लेकर चर्चा किया गया। पूर्व प्रधान रामबरन ने बताया कि भारतीय संविधान के निर्माणकर्ता व महान, समाज सुधारक बाबा साहब डॉ० भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि 6 दिसम्बर को है। 6 दिसम्बर1956 को बाबा साहेब अंबेडकर ने अंतिम सांस ली थी। जिससे कि 6 दिसम्बर को ह्यमहापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर ने छुआ-छूत और जातिवाद को समाप्त करने के विरुद्ध आंदोलन किए। बाबा साहब भारतीय संबिधान के प्रमुख निमार्ता के साथ ही आजाद भारत के पहले कानून मंत्री थे।

सरकार शिक्षकों के साथ कर रही सौतेला व्यवहार- एमएलसी

सकलडीहा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एवं वित्त विहिन गुटद्धकी ओर से जिला सम्मेलन का आयोजन नागेपुर स्थित राधा कृष्ण महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि लाल बिहारी यादव विधान परिषद सदस्य वित्त विहिन शिक्षकों की समस्या और मानदेय पर विचार प्रकट किया। इस मौके पर सपा के विधायक पूर्व सांसद सहित अन्य नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि लाल बिहारी यादव विधान परिषद सदस्य ने कहा कि भाजपा सरकार में इच्छा शक्ति की कमी है। आज जो वित्त विहिन शिक्षक देश की अंधकार को दूर कर शिक्षा की रौशनी दे रहा है। भाजपा सरकार में शिक्षकों की उपेक्षा की जा रही है। वही स्नातक शिक्षक एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने कहा कि मनरेगा मजदूरों को सौ दिन का काम का भुगतान किया जाता है। लेकिन जो बारह महीना बच्चों को शिक्षित करने का काम करती है। उन्हें पांच साल में एक रूपया भी नही दिया गया। वही पूर्व सांसद रामकिशुन यादव और विधायक प्रभुनारायण सिंह यादव ने कहा कि सपा की सरकार बनी तो वित्त विहिन शिक्षकए शिक्षा मित्रए आगनबाड़ी कार्यकत्रियों की समस्या का समाधान करते हुए मानदेय शुरू कराया जायेगा। वही पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू और सपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर ने कहा कि शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। शिक्षकों का पेंशन बंद कर दिया। जबकि सपा सरकार में शिक्षकों को 62 साल की नौकरी की सौगात दिया था। इस मौके पर हरिदास यादव, दिनेश यादव, जगमेन्द्र यादव, संतोष यादव, नफीस अहमद, भीमसेन, विष्णु वर्नवाल, चन्द्रशेखर, रामअशीष, रूप नारायण पटेल, जयन कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

सपा नेता कई समस्याओं के संदर्भ में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सकलडीहा। क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर सपा कार्यकर्ता सीएम को पत्रक देने की तैयारी में हैं। इसी क्रम में सपाइयों ने समस्याओं के संदर्भ में एसडीएम को पत्रक सौंपा है। इसके साथ ही चेताया कि समस्या का समाधान नहीं होने पर जिले की पूरी समाजवादी पार्टी कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाएगी। इस मौके पर सपा विधायक प्रभु नारायण सिंह यादव ने कहा कि कैबिनेट मंत्री के गृहनगर में उड़ती धूल से लोग बीमार हो रहे है। क्षेत्र की अधिकांश सड़के गड्ढायुक्त है। सहकारी समितियों से खाद बीज गायब है। खुलेआम खाद की कालाबाजारी हो रही है। सपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर ने कहा कि किसानों के धान खरीद के लिये सत्यापन में हीला हवाली की जा रही है। गेल कंपनी की ओर से सड़कों के नीचे पाइप लाइन बिछाई जा रही है। इसके लिए सड़क की पटरी पर गड्ढा खोदकर छोड़ दिया जा रहा है। उन्होंने बिजली कटौती बंद करने और क्षेत्र में घूम रहे आवारा पशुओं को तत्काल पशु आश्रय केंद्र भेजने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। समस्या का समाधान नही होने पर आवारा पशुओं और बर्बाद हो रही फसलों के साथ

मुख्यमंत्री को पत्रक देने की चेतावनी दी इस मौके पर सपा विधायक प्रभुनारायण सिंह यादव, सपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, हाजी जोखू सिद्दीकी, संतोष यादव, नफीस अहमद गुड्डु, अनिल सिंह यादव, पुत्तुल यादव, सिंटू यादव, सुरेन्द्र यादव, उदई चौहान, केशव राजभर, भोला यादव, शिवदयाल यादव, प्रदीप यादव, प्यारे पासवान, प्रभात यादव, मुन्नीलाल, गोविंद सोनकर मौजूद रहे।

बाबा कीनाराम रामगढ़ में सीएम का आगमन आज

सुंदरीकरण सहित कई योजनाओं का करेंगे लोकार्पण

चहनियां। रामगढ़ स्थित मठ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन आज हो रहा है । शनिवार को तैयारी पूर्ण देखने के लिए आई जी एस के भगत,जिलाधिकारी संजीव सिंह व एसपी अंकुर अग्रवाल पहुचकर मठ में बाबा कीनाराम के दर्शन स्थल ,हेलीपैड,मुख्यमंत्री मंच आदि का निरीक्षण किया । वही मठ के संयोजक अजीत सिंह से अन्य जानकारी लिया । मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कई जनप्रतिनिधियों ने भी निरीक्षण किया । भारी मात्रा में फोर्स तैनात रही। रामगढ़ मठ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आ रहे है । जो मठ के सुंदरीकरण का शिलान्यास करेंगे । वही कई योजनाओं का भी लोकार्पण करेंगे । बिगत चार दिनों से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर अधिकारी कमचारी मठ में तैयारी में लगे है । शनिवार को अंतिम दिन आई जी एस के भगत,जिलाधिकारी संजीव कुमार सिंह ,पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल सहित कई विभागों के अधिकारीयो से वार्ता किया व निरीक्षण किया । वही मठ के संयोजक अजीत सिंह से अन्य

जानकारी लिया । मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर अधिकारी कर्मचारी लगे हुए है । एक तरफ हैलीपैड बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का मंच बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है । मठ की साफ सफाई ,रँगरोपन का कार्य भी चल रहा है । मठ संयोजक अजीत सिंह ने बताया कि यसशवी मुख्यमंत्री हेलीपैड पर उतरने के बाद सर्वप्रथम बाबा कीनाराम ,तपस्थली,बिश्रामस्थली का दर्शन पूजन करेंगे । ततपश्चात मंच के माध्यम से ही मठ के सुंदरीकरण का शिलान्यास व कई योजनाओं का लोकार्पण व जानकारी देंगे ।

रामगढ़ मठ में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर कई जनप्रतिनिधि बिधायक साधना सिंह ,बिधायक सुशील सिंह, जिलाध्यक्ष अभिमन्यु सिंह, सूर्यमुनि तिवारी,हिन्दू युवा वाहिनीं के प्रभारी अम्बरीष सिंह भोला,योगेंद्र नाथ ओझा,के एन पाण्डेय सहित कई भाजपा के दिग्गज पहुंचकर अधिकारीयो से वार्ता किया ।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम के संबंध में मठ संयोजक ने की बैठक

चहनियां। चहनियां स्थित ब्लाक सभागार में ब्लाक प्रमुख कार्यालय में शनिवार को प्रमुख अरुण जायसवाल की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर बैठक सम्पन्न हुई । जिसमें बाबा कीनाराम मठ के संयोजक अजीत सिंह ने ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को सरकारों की योजनाओं को सुनने के लिए आने की अपील की । बैठक को सम्बोधित करते हुए मठ संयोजक अजीत सिंह ने कहा कि रामगढ़ में 5 दिसम्बर को मुख्यमंत्री का आगमन हो रहा है। जिसमे मुख्यमंत्री मठ के सुंदरीकरण के साथ कई योजनाओं का लाभ देंगे। जिसके बारे में आपलोग अधिक से अधिक संख्या में पहुचकर योजनाओं के लाभ के बारे में जाने। कई लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ भी देंगे। प्रत्यक्ष रूप से योजनाओं के बारे में जानने व किसी सरकार योजनाओं से जानकारी लेने में अंतर होता है। इसलिए आप अधिक से अधिक मुख्यमंत्री के योजनाओं को सुने। यहां प्रमुख द्वारा ब्लाक कार्यालय का जो मॉडल बनाने का कार्य चल रहा है पूरे जनपद में नही है।

मेरा नहीं पूरे क्षेत्र और समाज का सम्मान है- सुनीता सिंह

राष्ट्रीय सचिव के घर पहुंची अध्यक्ष जूही सिंह

प्रखर मेंहनाजपुर । समाजवादी पार्टी के महिला इकाई की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह संगठन के राष्ट्रीय सचिव सुनीता सिंह के घर आजमगढ़ के मेहनाजपुर स्थित ढाका ग्राम सभा में पहुंचकर उनके पति पूर्व प्रधान स्वर्गीय अरविंद सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में समाजवादी पार्टी का पूरा परिवार सुनीता सिंह के साथ खड़ा है। बता दें कि पिछले दिनों पूर्वांचल के अपने दौरे पर आए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी अचानक प्रोटोकाल तोड़ते हुए सुनीता सिंह के घर जाने का फैसला लिया था और उनके घर पहुंचकर उनके पति स्वर्गीय अरविंद सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दिया किया था । गौरतलब है कि अपने 2 दिसम्बर के जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मेहनाजपुर पहुंची राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सुनीता सिंह के घर गयी। इस अवसर पर महिला इकाई की राष्ट्रीय सचिव सुनीता सिंह ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय

अध्यक्ष अखिलेश यादव के बाद महिला इकाई की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह का मेरे घर आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने मेरा ही नहीं पूरे क्षेत्र का सम्मान बढ़ाया है । एक आम कार्यकर्ता को इतना सम्मान सिर्फ और सिर्फ समाजवादी लोग ही दे सकते हैं । उन्होंने ने कहा हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह साबित कर दिया की आम कार्यकर्ता का सम्मान और उसके सुख दुख में खड़े होकर सहयोग करना समाजवादियों की प्रवृत्ति रही है। 2 दिसंबर को कार्यक्रम खत्म होने के बाद सुनीता सिंह के घर पहुंची जूही सिंह ने करीब 2 घंटे तक बैठकर पूर्वांचल की राजनीति पर मंथन भी किया । गौरतलब है कि जनसंवाद रैली के जरिए समाजवादी पार्टी आम लोगों के मुद्दों पर मुखर होकर बात कर रही है। भ्रष्टाचार,महंगाई,बेरोजगारी और महिला अपराध सहित तमाम मुद्दों पर समाजवादी पार्टी ने इन दिनों आंदोलन आंदोलन छेड़ रखा है । इन आंदोलनों के जरिए समाजवादी पार्टी अपने विचारों को प्रदेश की जनता के सामने रखने का काम कर रही है। गौरतलब है कि 2022 में होने वाले विधानसभा के आम चुनावों के लिए आम आदमी के मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी सीधे जनता से संवाद कर रही है।

महिलाओं और किशोरियों की सुरक्षा व हक के प्रति पुरुषों को बदलनी होगी सोच - बिंदू सिंह

नौगढ़। क्षेत्र के सेवा सदन बालिका इंटर कॉलेज मझगाई में शनिवार को ग्राम्या संस्थान एवं ऑक्सफैम इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में चलाए जा रहे महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा अभियान के अन्तर्गत बच्चों एवं स्टाफ के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं संस्थान की निदेशक बिंदु सिंह ने कहा कि हमारे समाज में हो रही घरेलू हिंसा, महिला पुरुष में गैर बराबरी, बालक बालिका में भेदभाव, सहित महिलाओं के विभिन्न मुद्दों पर समझ बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आए दिन लड़कियों के साथ छेड़छाड़ बलात्कार जैसी घटनाएं हो रही हैं जिस पर सभी पुरुषों को अपनी सोच बदलनी होगी ताकि महिलाएं और लड़कियां भी स्वतंत्र रूप से कहीं भी आ जा सके तभी समाज में समानता आएगी और स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। संस्थान के जिला कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र ने महिला हिंसा एवं जेंडरगत भेदभाव पर सांप सीढ़ी खेल के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। साथ में बच्चों के साथ चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से हमारा समाज कैसा हो इसको बच्चों ने चित्र के माध्यम से प्रदर्शित किया। वहीं विजेता बच्चों को पुरस्कार दिया गया। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या मीना के एल, शिक्षक राजकुमार ने भी अपने विचारों को रखा कार्यक्रम में विजय कुमार, भगत सिंह, चन्द्रिका, सरिता, विभा, काजल,सरोज, विवेक, त्रिभुवन, प्रतिमा, मन्नू, राजेश, सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर में लगी आग ने जलाया गरीब महिला का आशियाना

कमालपुर। स्थानीय क्षेत्र के इनायतपुर गांव निवासी सावित्री देवी 65 वर्षीय महिला शनिवार की सुबह भोजन बनाने के लिए सिलेंडर चालू कर माचिस चला रही थी अचानक आग लगने गंभीर रूप से झूलस गई । गैस सिलेंडर फटने से लगी आग से महिला का घर गृहस्थी का सारा सामान जलकर नष्ट हो गया । वही घटना को देखते ही मौके पर आस पास के लोग काफी प्रयास से आग पर काबू पाया । तब तक कुछ नहीं बच पाया सारा सामान व कुछ नगद रुपये जल कर नष्ट हो गया । बताया जा रहा है कि महिला अपने पुत्रो से अलग रह रहीं थी । अपने निजी मकान में ,टॉफी बिस्कुट ,गुटके की दुकान करके अपना भरण-पोषण करती हैं। सुबह-सुबह गैस पर अपना खाना बनाने चली माचिस जलाई गैस पाइप लीक होने के कारण पूरे कमरे में आग की लपट फैल गई घर में रखे सारे सामान जलकर राख हो गए जिसमें लेवा ,रजाई ,चारपाई ,चावल ,आटा , गेहूं दुकान का सामान जलकर राख हो गया।

नवीन मंडी समिति स्थित धान क्रय केंद्र पर नहीं पहुंच रहे हैं किसान

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नवीन मंडी समिति अहरौरा में चार धान क्रय केंद्र खोले गए हैं । वही धान बेचने वाले किसानों का पता नहीं है । क्रय केंद्रों के प्रभारी किसानों का इंतजार कर रहे हैं कि किसान अपना धन लेकर आए । मंडी समिति में कुछ धान क्रय केंद्र ऐसी जगह पर खोले गए हैं जहां न कोई बोर्ड लगा है न ही वहां कोई बैनर है । किसान कैसे जान पाएगा कि यह भी धान क्रय केंद्र है । यह समझ के परे है । वही जनपद में कई ऐसे भी जगह है जहां का किसान धान बेचने के लिए परेशान है और वहां क्रय केंद्र ही नहीं है ।

राजकीय धान क्रय केंद्र

मार्केटिंग का राजकीय धान क्रय केंद्र खुला है जिसकी प्रभारी श्वेता पांडेय है । श्वेता पांडेय ने बताया कि अब तक 254 किसानों का पंजीकरण धान बेचने के लिए हुआ है । जिसमें 32 किसानों से 1538 कुंतल धान खरीदा जा चुका है ।उन्होंने बताया कि इस क्रय केंद्र पर 60 हजार कुंतल धान खरीदने

का लक्ष्य रखा गया है । श्वेता पांडेय ने बताया कि 28 फरवरी तक धान की खरीद की जाएगी जो भी किसान अपना धान बेचना चाहते हैं वह पंजीकरण कराकर यहां जमा कर सकते हैं ।

एफ सी आई का धान क्रय केंद्र

भारतीय खाद्य निगम एफ सी आई का भी धान क्रय केंद्र यहां खुला हुआ है । धान क्रय केंद्र के प्रभारी मालदेव ने बताया कि अब तक 170 किसानों का पंजीकरण धान बेचने के लिए यहां हुआ है । जिसमें 20 किसानों से 878 कुंतल धान खरीदा जा चुका है ।उन्होंने बताया कि एक हजार मैट्रिक टन धान क्रय करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । यहां पर दो कांटा से धान की खरीद की जा रही है । मालदेव ने बताया कि धान क्रय केंद्र पर सामान्य धान का रेट 1940 रुपया प्रति कुंतल एवं ग्रेड ए धान का रेट 1960 रुपया प्रति कुंटल निर्धारित किया गया है । धान बेचने वाले प्रत्येक किसानों को ?20 प्रति कुंतल जमा करना पड़ता है । उन्होंने बताया कि धान क्रय केंद्र पर किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है ।

मंडी समिति का धान क्रय केंद्र

मंडी समिति में मंडी समिति का धान क्रय केंद्र भी खुला है जिसके प्रभारी सुधाकर सिंह है । सुधाकर सिंह तो यह नहीं बता पाए कि धान खरीदने का कितना लक्ष्य रखा गया है लेकिन उन्होंने बताया कि 33 किसानों से अब तक 1309 कुंटल धान खरीदा जा चुका है । यहां पर 303 किसानों का पंजीकरण धान बेचने के लिए अब तक हुआ है ।

नेफेड का धान क्रय केंद्र

मौके पर नेफेट का धान क्रय केंद्र बंद चल रहा है । सूत्रों ने बताया कि उच्चाधिकारियों द्वारा इसको बंद करके अन्यत्र स्थानांतरण करने की संभावना है । मंडी समिति अहरौरा में खुले धान क्रय केंद्रों पर धान क्रय केंद्र प्रभारी किसानों को धान बेचने का इंतजार कर रहे हैं । लेकिन क्रय केंद्रों पर किसानों का टोटा पड़ा हुआ है । वहीं कुछ किसानों ने बताया कि अभी खेतों में धान की कटाई चल रही है धान की कटाई करने के बाद धान की पिटाई होती है । उसके बाद किसान उसकी साफ सफाई करके बेचने के लिए क्रय केंद्रों पर लाता है । 15 दिनों में क्रय केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में धान की आवक होने लगेगी । क्रय केंद्र के प्रभारियों ने बताया कि जिन भी किसानों का धान बेचना है वह अपना पंजीकरण केंद्रों पर करा लें ताकि बाद में उनको धान बेचने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना उठानी पड़े ।

डंफर के चपेट में आने से मजदूर की मौत

नियमताबाद। जनपद चंदौली के अलीनगर थाना स्थित सदलपुरा गांव निवासी संतोष कुमार 24 वर्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर से मजदूरी करने के बाद साइकिल से वापस अपने घर जा रहा था। नसीरपुर पट्टन गांव के समीप के काली मंदिर के पास वह पहुंचा ही था कि डंपर की चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद काफी देर तक उसका शव घटना स्थल पर ही पड़ा रहा। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया । हालांकि की कुछ राहगीरों की पहचान पर डंपर चालक को डंपर के साथ सरेसर गाँव के समीप पकड़ लिया गया। जिसे स्थानीय लोगों द्वारा भगा दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराई। जिसके उपरांत घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वही डंपर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। घटना ल सम्बंध में अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद डंफर को कब्जे में ले लिया गया है और आगे की कार्यवाई जारी है।

संक्षिप्त खबरें

रक्षा किट वितरण कर मरीजो को दी गई जानकारी

प्रखर केराकत जौनपुर। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय पेसारा पर शनिवार के दिन डॉ अनामिका राय के द्वारा मरीजों में आयु रक्षा किट वितरण के अवसर पर मरीजो को जानकारी देते हुये कहा कि आयु रक्षा किट के उपयोग करने से रोगप्रतिरोधक छमता बढ़ती है और शरीर निरोगी रहता है जिससे शरीर मे बीमारियों से लड़ने की छमता बनी रहती है जिसका दैनिक प्रयोग करना चाहिए इस अवसर पर उपस्थित लोगो को चिकित्सालय के वेद प्रकाश के द्वारा जीवन में योग के उपयोग और उसे सही से करने के तरीको के बारे में जानकारी दी गयी वहीं डॉ अनामिका राय का नवंबर 2020 से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय पर आने के बाद मरीजों में अस्पताल पर आने की रुचि ज्यादा दिखती नजर आई जिसके लिए उनका उदार पूर्ण रवैया और उनका मरीजों से उदारता पूर्वक बात करना लोगों में काफी लोकप्रिय हो रहा जिससे रोजाना यहां पर मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही पूरे क्षेत्र में उनके यहां पर आने से लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग उन्हें दिखाने के लिए लाइन लगाए रहते है। इस अवसर पर सम्मिलित रहे लोगों में डॉ अनामिका राय, महेंद्र, रामलाल वेद प्रकाश आदि रहे ।

गम्भीरपुर थाना क्षेत्र के मुड हर गांव में मिला अज्ञात शव, काफी खोजबीन के बाद हुई शव की शिनाख्त

प्रखर गम्भीरपुर/ आजमगढ़ ।थाना गंभीरपुर के मुड हर गांव में अज्ञात शव मिला, मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर के पीएम के लिए भेज दिया।जानकारी के मुताबिक सुबह मुडहर गांव के पास नाबदान के करीब एक व्यक्ति पडॉ हुआ था जब लोग करीब जाकर देखें तो ऐसा लगा कि उसकी मृत्यु हो चुकी है सूचना की जानकारी पर चौकी गोसाई की बाजार इंचार्ज संजय सिंह को लोगों ने फोन किया मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया इस संदर्भ में चौकी इंचार्ज संजय सिंह ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि रात्रि में वह व्यक्ति कहीं से जा रहा और उस नाबदान में गिर गया, हो सकता है नशे की हालत में रहा हो और इस वजह से उसकी मौत हो सकती है ,अब चाहे जो कुछ भी हो यह तो पोस्टमार्टम होने के पश्चात ही पता चलेगा। इसके बारे में गांव के अगल-बगल काफी पूछताछ की गई और उसकी पहचान के लिए लोगों को बुलाया गया तो बेलऊ गांव निवासी मृतक के साले हरिश्चंद्र ने उसकी पहचान रामधारी पुत्र स्वर्गीय मुखलाल लखीमपुर उबारपुर के रूप शव की शिनाख्त की इस व्यक्ति की उम्र लगभग 50 साल के आसपास है।

दिव्य काशी भव्य काशी के अंतर्गत काशी स्वच्छता अभियान चलाया गया

प्रखर दानगंज वाराणसी। भव्य काशी के अंतर्गत काशी स्वच्छता महाअभियान दिनांक 4:00 से 12:00 तक चलना है उसी क्रम में प्रत्येक स्कूलों में इस महा अभियान की शुरूआत आज से की गई जितेंद्र सिंह द्वारा प्राथमिक विद्यालय दानगंज प्रथम विकासखंड चोलापुर में सफाई महा अभियान में हिस्सा लिया गया इस अभियान को सफल बनाने के लिए एबीएस द्वारा दौरा भी किया गया।

खेती किसानी छोड़ किसान खाद के लिए परेशान, अहरौरा सहकारी समिति में खाद के लिए किसानों की लंबी लाइन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। धान की कटाई के बाद इस समय किसान गेहूं की बुवाई में परेशान है लेकिन किसानों को खाद न मिलने के कारण किसान खेती किसानी छोड़कर सहकारी समितियों का चक्कर लगा रहा है । कई दिनों के इंतजार के बाद अहरौरा सहकारी समिति में शुक्रवार की शाम को पहुंचे खाद को लेने के लिए शनिवार अलसुबह से ही किसानों ने सहकारी समिति के सामने लाइन लगा दिया । भीड़ इतनी अधिक थी कि खाद किसानों को देने के लिए सहकारी समिति के कर्मचारियों को पुलिस की सहायता लेनी पड़ी । इसके बाद भी कई किसान की लाख आदमी वापस चले गए । सहकारी समिति के सचिव बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को 500 बोरी डाई खाद आया था 300 बोरी यूरिया पहले से स्टाक में था उसी दोनों को मिलाकर किसानों को खाद का वितरण किया जा रहा है । यह प्रयास किया जा रहा है कि सभी किसानों को खाद मिल जाए ? ।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत क्षेत्र के ग्राम उदयचंदपुर के पास सड़क किनारे दोपहर लगभग दो बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से सिहौली निवासी कल्लू पुत्र विजय लाल बुरी तरह घायल हो गये। जिसे मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने स्वस्थ्य सेवा108 से उपचार हेतु सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया। जहाँ स्थिति नाजुक देख चिकित्सकों ने बेहतर उपचार हेतु जिलाचिकित्सालय रेफर कर दिया।

गंगा महासभा परिवार ने रामप्यारी ओझा को अर्पित की श्रद्धा सुमन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। इंसान के अच्छे कर्म एवं समाज में सभी के सुख दुख में खड़े रहने का आचरण, व्यवहार या यूं कहें रिश्ते को निभाने वाले जिम्मेदार लोगों की बात ही अलग है। ऐसे में जब उनके परिवार के लोगों का निधन होता है तो विभिन्न समाज सेवी, संस्था एवं पार्टियां श्रद्धांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थनाएं करते हैं। ऐसा ही शुक्रवार की देर शाम सिद्धगिरी बाग स्थित ब्रह्मनिवास पर उनके सदस्यों द्वारा दिवंगत रामप्यारी ओझा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा परिवार के पदाधिकारी गोविंद शर्मा ने बताया कि वरिष्ठ पत्रकार डॉ संतोष ओझा एवं सी.ए. संजय ओझा की पूज्य माता जी का 2 दिसंबर को निधन हुआ था। सभा को जानकारी मिलते ही सदस्यों ने शान्ति पाठ,महामृत्युंजय जाप, महामृत्युंजय पाठ करते हुए 2 मिनट का मौन रखा। इस दौरान लोगों ने प्रतीकात्मक फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित की साथ ही ईश्वर से प्रार्थना किया कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। शर्मा ने इन न्यूज टीम को बताया कि सन्तोष एवं संजय दोनों सामाजिक गतिविधियों में शामिल होकर लोगों की मदद एवं सहयोग करते रहते हैं। ये दोनों गंगा महासभा परिवार के ही अंग एवं सदस्य की भूमिका निभाते आ रहे है। एक और खास बात है कि इनकी माता जी ने भी अपनी आँखें समाज को दे दी यानी नेत्रदान कर दूसरे के अंधियारे को प्रकाश प्रदान करने का कार्य किया। जिसके माता पिता समाज के लिए कार्य करते है तो इनके बच्चे समाजसेवी होना लाजमी है। इस दौरान डॉ विश्वनाथ दूबे, प्रमोद मिश्रा,प्रो.ओमप्रकाश सिंह, डॉ गीता शास्त्री सहित भाजपा के भी पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिहर पाण्डेय ने किया।

लोकतंत्र की दीवार कार्यक्रम में हस्ताक्षर कर मतदाता बनने हेतु किया जागरूक

प्रखर जौनपुर। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज हस्ताक्षर अभियान प्रारम्भ किया गया। लोकतंत्र की दीवार नाम से आयोजित इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने हस्ताक्षर कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मतदाता बनने एवं निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने के लिए जागरूक किया। लोकतंत्र की

मतदाता लोकतंत्र की रीढ़, एक दिन शेष सभी बने मतदाता - जिलाधिकारी

दीवार बैनर पर हस्ताक्षर कर लोगों ने संकल्प लिया कि मतदाता बनने हेतु लोगों को प्रेरित करेगें तथा आगामी विधानसभा चुनाव में निर्भीक होकर नैतिक मतदान करेंगे तथा अन्य लोगों को भी जागरुक करेगें। इस अवसर पर वोटर सेल्फी प्वाइंट पर लोगों ने खूब फोटो खिंचें। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि आज के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नये मतदाताओ को पंजीकृत कराने के साथ साथ, सभी मतदाताओ को मतदान देने की अनिवार्यता के प्रति लोगो को जागरूक करना है। लोकतंत्र में मतदाताओ का मुख्य योगदान है। मतदाता लोकतंत्र की रीढ माना जाता है, वे अपने बहुमूल्य मत की ताकत को समझते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान करें। मतदान करने के लिए आवश्यक है कि आपका नाम मतदाता सूची में हों। इसलिए जिन पात्र लोगों का नाम सूची में नहीं है अभी एक दिन शेष है, 5 दिसम्बर तक वोटर बनने का कार्य होगा। इसके लिए अपने बी एल ओ से सम्पर्क करें या एन वी एस पी पोर्टल या वोटर हेल्पलाइन ऐप के जरिए फार्म 6 भरकर आन लाइन आवेदन करते हुए मतदाता बनें।

मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक देश है। सभी लोगों के साथ साथ विशेषकर युवाओ और महिलाओ को निर्वाचन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। उप जिलाधिकारी सदर हिमांशु नागपाल ने लोगों से अपील किया कि मतदाता सूची में अपना व अपने परिवार के लोगों का नाम शामिल कराये, तथा आगामी विधानसभा चुनाव में अपना बहुमूल्य मतदान करें। तथा अन्य लोगों को भी प्रेरित व जागरूक करते रहे। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल, अपर पुलिस अधीक्षक नगर डा संजय कुमार, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, ईएलसी कोआर्डिनेटर रमेश चंद्र यादव, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी, तहसीलदार सदर महेंद्र बहादुर सिंह, एस.ओ.सी. कई अधिकारियों सहित सैकड़ों लोगों ने लोकतंत्र की दीवार बैनर पर हस्ताक्षर कर संकल्प लिया।

एक नजर इधर भी, जब सांप और नेवला एक दूसरे पर टूट पड़े

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर।पं०मदन मोहन मालवीय इंटर कालेज सिखड़ी के दक्षिणी हिस्से की फिल्ड में ना जाने कबसे सांप और नेवला के बीच खूंनी जंग जारी थी इसका पता तो नहीं चला लेकिन अचानक विद्यालय के बच्चों की नजर जब दोनों पर पड़ी तब देख कर भौंचक्के रह गए।वशर्ते अबतक सांप और नेवला के लड़ाई के किस्से दादा दादी की जुबानी सुनने तथा किताबों में पढ़ने को मिला था। लेकिन साक्षात आंखों से देखने को शनिवार को ही मिला। अचानक देख हतप्रभ रह गए। गौरतलब हो कि कालेज परिसर में पहले से नेवला परिवार प्रचूर मात्रा में रहता है। शनिवार की दोपहर रोज की तरह घूम रहे नेवला की अचानक भेंट बिषधर कोबरा से हो गई।फिर क्या था देखते ही देखते दोनो एक दूसरे पर टूट पड़े। एक तरफ जहां नेवला अपनी चतुराई से कोबरा पर

वार करके मौत के घाट उतारने की कोशिश करता वहीं दूसरी तरफ सांप अपने अपने चंगुल में फंसाकर नेवला को मौत की नींद सुलाने की आखिर कोशिश कर रहा था। दोनो एक दूसरे पर जान लेवा हमला करके अपनी जन्मजात दुश्मनी का परिचय दे रहे थे।जिसे बच्चे बड़े चाव से बच्चे देख रहे थे।कि अचानक अगली घंटी बजी और और बच्चे कक्षा से बाहर निकले। छात्रों के पदचापों और कोलाहलों से दोनों भाग निकले।

गांव का जला ट्रांसफार्मर आपूर्ति ठप, दर्जनों ट्यूवेल बंद

प्रखर जखनियां गाजीपुर। जखनिया तहसील क्षेत्र के दुल्लहपुर थाना अंतर्गत छपरी गांव में,शनिवार की ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग जाने से पूरा ट्रांसफार्मर धू धू कर जल उठा। उल्लेखनीय है कि वीर अब्दुल हमीद सड़क मार्ग के किनारे छपरी गांव में 100 केवीए के विद्युत ट्रांसफार्मर में दोपहर में अचानक आग लग गयी। तेज लपटों को देखकर आसपास के घरों में सनसनी फैल गयी। उसी दौरान सड़क से गुजर रहे जनपदीय अधिकारियों व लोगों ने इसकी सूचना तत्काल विभागीय उच्चाधिकारियों को दी, तब जाकर विद्युत आपूर्ति रोकी गयी। वहीं ट्रांसफार्मर घंटों जलता रहा। ट्रांसफार्मर के जल

जाने से गांव की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गयी है। बताते चलें कि इस ट्रांसफार्मर से गांव के ग्रामीणों को घरेलू कनेक्शन के साथ ही साथ दर्जनों किसानों के पम्पिंग सेट को कनेक्शन दिया गया है। गांव के किसान हवलदार राय, सिद्धनाथ राय,जनार्दन राय,मनीष राय का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर के जल जाने से अब कृषि कार्य बाधित होगा। यदि यथाशीघ्र ट्रांसफार्मर की व्यवस्था करके नया ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया तो किसानों के सामने खेतों की सिंचाई की समस्या उतपन्न हो जायेगी। ग्रामीणों व किसानों ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में यथाशीघ्र नया ट्रांसफार्मर लगवाकर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने की मांग की है।

समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जिसमें समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव राजेश विश्वकर्मा समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश सचिव मनोज मौर्या समाजवादी पिछड़ा वर्ग के प्रदेश सचिव राजेश प्रजापति का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया स्वागत समारोह को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष लाल बहादुर यादव ने कहा कि जिस तरह नेतृत्व द्वारा ने इन तीनों पदाधिकारियों मनोनयन किया है उसे हमें पूरी उम्मीद है कि यह निष्ठा ईमानदारी के साथ समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी इनसे पार्टी यही उम्मीद करती है गांव-गांव घर-घर जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों

सिद्धांतों के बारे में लोगों को अवगत कराएं और भाजपा सरकार के कुकृत्य को जनता के बीच बताएं भाजपा सरकार ने आम जनता को ठगने का काम किया है बेरोजगारी बढ़ी है लूट हत्या बलात्कार बढ़े हैं देश में भ्रष्टाचार बढ़ा है किसानों की दुर्दशा हुई इन सब मुद्दों को लेकर जन जन संपर्क करके और 2022 में समाजवादी पार्टी बनाने के लिए लोगों को जागरूक करने का काम करें स्वागत समारोह में मुख्य रूप से पूर्व विधायक अरशद खाँ यशवंता यादव जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी श्रवण जयसवाल, महेंद्र यादव,पूनम मौर्या,पप्पू रघुवंशी मालती निषाद तारा त्रिपाठी शेरू खान राजेश यादव शोचराम विश्वकर्मा आसाराम यादव गुड्डू सोनकर भानु प्रताप मौर्या,आलोक यादव पंकज यादव धर्मेंद्र सोनकर आदि संचालन जिलामहाचिव हिसामुद्दीन शाह ने किया।

विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने सड़क का किया शिलान्यास

प्रखर रामनगर वाराणसी। विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने रामनगर में सड़क का किया शिलान्यास विधानसभा में हर दिन एक नई इबारत लिखने वाले यशस्वी विधायक श्री सौरभ श्रीवास्तव जी ने शिलान्यास और लोकार्पण की कड़ी में भीटी गांव में 29 लाख रुपए की लागत से बनने वाले एक और सड़क का शिलान्यास कर दिया। पूरे वाराणसी में सबसे ज्यादा शिलान्यास और लोकार्पण का रिकॉर्ड बनाने वाले सौरभ श्रीवास्तव लगातार जनता के बीच बने रहते हैं, हजारी साहब की छावनी से मालियाखाले में लोगों को राहत देने के लिए सड़क का शिलान्यास कर दिया। श्री सौरभ श्रीवास्तव के शिलान्यास और लोकार्पण की खास बात यह रहती है कि वह पूजन स्वयं नहीं करते, गांव के ही किसी बड़े बुजुर्ग को बिठाकर उनके द्वारा पूजन करवाते हैं। शिलान्यास के बाद हुए मंचीय कार्यक्रम में संचालन महानगर मंत्री युवा मोर्चा सृजन श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री संतोष द्विवेदी, श्री अशोक जायसवाल,श्री अनुपम गुप्ता, श्री सृजन श्रीवास्तव,श्री राजेंद्र शंकर सिंह पटेल,श्री राकेश पटेल, आफताब अंसारी, दीपक कनौजिया, रितेश राय, राजू सोनकर कुलदीप सेठ, जय सिंह चौहान, गोविन्द मौर्य, आलोक सिंह, उदय श्रीवास्तव,अनिल सिंह, आदि उपस्थित रहे।

जौनपुर में 7 दिसंबर को किसान महापंचायत करेंगे डा. योगेंद्र यादव

प्रखर जौनपुर। जय किसान आंदोलन के संस्थापक डा. योगेंद्र यादव दिल्ली से आकर जौनपुर में 7 दिसंबर को जय किसान महापंचायत का आयोजन करेंगे।जिसमें भारी संख्या में किसान और नेता शामिल होंगे। जिसे लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।जानकारी के अनुसार जय किसान आंदोलन के संस्थापक डॉ. योगेंद्र यादव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आविक शाहा जौनपुर में 7 दिसंबर को जय किसान महापंचायत में शामिल होंगे। जय किसान महापंचायत सिद्धिकपुर गुलावी देवी महाविद्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर बातचीत चर्चा किया जाएगा। महापंचायत में किसान नेता दीपक लांबा, कर्नल जयवीर सिंह, पुष्पेंद्र कुमार, मनीष भारतीय मौजूद रहेंगे। यह जानकारी जय किसान आंदोलन के जिलाध्यक्ष अश्विनी कुमार यादव ने दी है।

संपूर्ण समाधान दिवस पर 85 प्रार्थना पत्र में 5 का निस्तारण

प्रखर जौनपुर (संवाददाता-मोहम्मद अरशद)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सदर तहसील का संपूर्ण समाधान दिवस प्रेक्षागृह में संपन्न हुआ।

संपूर्ण समाधान दिवस में 85

शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निर्देशित किया कि संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए गुणवत्ता पूर्ण तरीके से एक सप्ताह के अंदर निस्तारित किया जाय।

संपूर्ण समाधान दिवस पर अधिकतर शिकायतें जमीन विवाद के संबंध में प्राप्त हुए जिसके संदर्भ में जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया कि राजस्व तथा पुलिस विभाग की टीमें मौके पर जाकर निरीक्षण करें और लेखपाल तथा कानूनगो की टीम बनाकर जमीन विवाद के मामलों की जांच कराते हुए नियमानुसार समाधान कराया जाए। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद के मामले में कोई लेखपाल लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जमीन विवादों का निस्तारण शासन प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता में है अतः इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी । जिलाधिकारी द्वारा कहा गया कि अगले संपूर्ण समाधान दिवस पर जो भी शिकायतकर्ता आएंगे उनको कोरोना टीकाकरण का प्रमाणपत्र लाना अनिवार्य है और कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करना अति आवश्यक है जिससे कोरोना को नियंत्रित किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला, उप जिलाधिकारी सदर हिमांशु नागपाल, अपर पुलिस अधीक्षक नगर संजय कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अपनी पंहचान के लिए एकजुट हुई महिला किसानों ने कहा कि मुझे नहीं हमारे अधिकारों को सुरक्षित करो

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रगति पथ फाउंडेशन ने इब्तिदा नेटवर्क के सहयोग से बड़ागाँव, वाराणसी में महिला हिंसा और महिला अधिकार 16 दिवसीय अभियान के अंतर्गत ह्लमहिला किसान का संघर्षह्व विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को स्वयं की पहचान को रेखांकित करना था। अतिथि के रूप में महिला किसान श्रीमती प्रमिला देवी, श्रीमती मीरा देवी, श्रीमती सुनीता देवी रहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगति पथ फाउंडेशन की महासचिव श्रीमती नीलम पटेल ने किया। कार्यक्रम में विकासखण्ड बड़ागाँव के विभिन्न ग्राम पंचायतों से महिला किसानों ने प्रतिभागन किया। संगोष्ठी में महिला किसानों ने कहा कि हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है जहां की अधिकांशतः लोग खेती-बाड़ी से अपनी रोजी रोटी चला रहे हैं। आज के समय में आधे से ज्यादा खेती के काम को महिलाएं कर रही हैं, लेकिन जब किसान की बात होती है तो हमारे मन में पगड़ी बांधे रौबदार मुछ वाले पुरुष की तशवीर आती है। महिलाओं को किसान का दर्जा नहीं दिया जाता, वे बस मजदूर भर हैं। देश में आज भी महिला किसानों के नाम खेती की जमीन नहीं है। महिला किसान के साथ हो रहे इस भेदभाव का कारण है समाज की पुरुषवादी मानसिकता। सभी व्यवसाय में महिला और पुरुषों के लिए उनके व्यवसाय से संबन्धित स्त्रीलिंग व फुलिंग शब्द हैं, लेकिन हास्यपाद है कि किसान शब्द का स्त्रीलिंग शब्द ही नहीं बना है। वक्ताओं ने आगे कहा कि जब खेती में आधे से ज्यादा भागीदारी महिलाओं की है तो महिला किसान को भी उनकी पहचान मिलनी चाहिए, उन्हें भी किसान का दर्जा मिलना चाहिए। प्रगति पथ फाउंडेशन की महासचिव नीलम पटेल ने कहा कि महिला जो समाज का एक अहम हिस्सा है, यदि पुरुष ताना है तो महिला बाना है, इन दोनों के बिना ये संसार अधूरा है। दोनों की अपनी अपनी भूमिका है समाज मे परिवर्तन लाने की , दोनों ही मनोबल से सक्षम है। तो फिर दोनों में भेदभाव क्यों है, एक कुशल गृहणी जब बदलाव लाने की बात करती है या अपने अधिकारों की बात करती है तो उस पर हजारों सवाल लाद दिए जाते है, उसके पैरों में तुम्हारी सुरक्षा का हवाला देकर उसे आगे नही बढ़ने दिया जाता है। कथाकथित हमारा समाज महिला और पुरुष को बराबरी का दर्जा देने का दावा करता है, पहनावा और भोजन देने से मात्र बराबरी नही होती है। एक महिला, एक बेटी ,एक माँ और एक बहु जब अपनी किस्मत बदलने की ओर पहला कदम रखती है तो उन्हें यह कह के रोक दिया जाता है कि रुको रुको तुम वहाँ अकेले कैसे जाओगी, क्या करोगी, नही कर पाओगी, हम लोगो को तुम्हारी चिंता है तुम्हारी सुरक्षा करना हमारा फर्ज है और यही सब कहकर महिला को रोक दिया जाता है। मुझे नही, मेरे अधिकारों को सुरक्षित करो। पैरों में बेड़िया नही हाथो में हिम्मत देकर भेजो। अभियान की संयोजिका श्रीमती सीता देवी ने बताया कि प्रगति पथ फाउंडेशन ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिलाओं को उनका अधिकार भीख में नहीं चाहिए बल्कि उनके अधिकारों की सुरक्षा होनी चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर संस्था 16 दिवसीय अभियान मुझे नहीं मेरे अधिकारों की सुरक्षा करों नजरिया बदलो और हिंसा को पहचानो, 2021 चला रही है, जो विकासखण्ड बड़ागाँव के 10 ग्राम पंचायतों में चलाया जा रहा है। संगोष्ठी का संचालन सीता देवी और धन्यवाद ज्ञापन दीपक पुजारी ने किया। संगोष्ठी में संगीता सिंह, रेनू वर्मा, शिल्पा, सरोजा, बेबी, वंदना गौरव व सोनी ने अपने विचार रखे।

चोरी के आरोप से क्षुब्ध किशोर ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के मंगारी बाजार निवासी किशोर पिता के डांट व चोरी के आरोप से सदमे होकर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। एकलौते पुत्र के मौत से पूरा परिवार सदमे में दिखा। घटना शनिवार की भोर की है। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। बताते है कि मंगारी बाजार निवासी संतोष राजभर का पुत्र मनीष 15 वर्ष के ऊपर पट्टीदारों ने मोबाइल चोरी करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को शाम को बाजार में ही एक जगह उसे पूछताछ करने लगे। उस दौरान लोगों की भीड़ लग गई। भीड़ देख गश्ती पुलिस भी मौके पर रुक गई और पूछताछ के बीच पुलिस ने लड़के से मोबाइल के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह गिरा हुआ मोबाइल पाया था, और बैग में रखा है। उसने बैग में रखे मोबाइल को दे दिया। उसके बाद सब लोग हट बढ़ गए।शाम को जब घर पहुचा तो उसके पिता ने उसे चोरी के बाबत डांट फटकार के साथ एक दो थप्पड़ मार भी दिया था। जिससे क्षुब्ध होकर वह शनिवार को भोर में घर से निकला और बाबतपुर रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। ट्रेन से किसी युवक के कटने की सूचना पर पहुची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बिना पहचान कराए सुबह 5 बजे ही पीएम भेज दिया। सुबह जब जीआरपी के लोग आसपास के लोगो को फोटो दिखाए तो उसकी पहचान मनीष उर्फ कोचे पुत्र संतोष राजभर के रूप में हुई। मनीष मंगारी स्थित कृष्ण देव इंटर कॉलेज में कक्षा 10 का छात्र था। एकलौते पुत्र के मौत से पूरा परिवार सदमे दिखा। पिता संतोष के आँखों से आँसू की धारा रुक नही पा रही थी और अपने आपको कोसते नजर आए। वही एकमात्र 8 वर्षीय बहन सुनीता व माँ का रो रो कर बुरा हाल था। वही चोरी के आरोप से सदमे में आये नाबालिक के मौत को लेकर बाजार के लोग भी सन्न दिखे और कॉलेज में भी शोक सभा हुई और शिक्षण कार्य भी स्थगित कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

मृतक इंजीनियरिंग छात्र को दी गई श्रद्धांजलि

प्रखर वाराणसी। बीते बृहस्पतिवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय के छात्र राम बाबू यादव निवासी वाराणसी, कालेज परिसर से परीक्षा देने के बाद लखनऊ फैजाबाद हाईवे रोड क्रॉस कर अपने हास्टल जा रहे थे इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक के चपेट में आने से मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, ये खबर सुनते ही परिवार के साथ साथ कालेज में मायूसी छा गई। आज बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय के सैकड़ों छात्रों द्वारा नम आंखों से श्रद्धांजलि दी गई।

रतनूपुर पीजी कालेज में छात्रों का कैम्पस सलेक्शन

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। जनता महाविद्यालय रतनूपुर परिसर में एक निजी फायनेंस कंपनी सोनाटा के द्वारा बीकॉम के छात्रों का कैम्पस सलेक्शन किया गया। शुक्रवार को रतनूपुर स्थित जनता महाविद्यालय परिसर में लखनऊ की सोनाटा फायनेंस प्राइवेट लिमिटेड गोमतीनगर के अधिकारियों द्वारा लिखित परीक्षा व साक्षात्कार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आशुतोष कुमार तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय के बीए बीकॉम किये 54 छात्रो ने प्रतिभाग किया। लिखित व साक्षात्कार परीक्षा के उपरांत 14 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। सभी चयनित छात्रो को कम्पनी के तरफ से प्रमाण पत्र देकर लखनऊ आने की सूचना दी गयी। इस अवसर पर अमित सिंह, डॉ अजय यादव, नीरज सिंह सहित अन्य अधयापक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा एक तिरंगा ध्वज यात्रा निकाली गई

प्रखर रामनगर वाराणसी। बाल विद्यालय माध्यमिक स्कूल एवं आचार्य सीताराम चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय, डोमरी रामनगर वाराणसी में भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष में अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा एक तिरंगा ध्वज यात्रा निकाली गई। यात्रा को रोहनियॉ विधानसभा के माननीय विधायक श्री सुरेंद्र नारायण सिंह जी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में बाल विद्यालय के उप प्रबंधक श्री मुकुल पांडेय जी, प्रधानाचार्य श्री मोहन लाल यादव रौनी वर्मा जी, को-ऑर्डिनेटर सपना सिंह, सोनिया मिश्रा, कमलेश सिंह, राजू कुमार, शिव प्रकाश यादव, संतोष कुमार, राहुल सिंह, कविता क्षेत्रपाल, विनीता मिश्रा, पीयूष दुबे, पवन चौबे, श्वेता पांडेय, अपराजिता, ज्योति झा, मुद्रिका जी आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने बच्चों के साथ-साथ उनका उत्साहवर्धन किया।यात्रा में बच्चों ने देश भक्ति से जुड़े विभिन्न नारे लगाए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों में मिष्ठान वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

श्री काशी विश्वनाथ धाम यात्रा के उपलक्ष्य में भजन संध्या 2021 दशाश्वमेध घाट पर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित भजन संध्या दशाश्वमेध घाट स्थित शीतला माता मंदिर, गंगा की गोद में प्रख्यात गायिका श्रद्धा पांडेय द्वारा भजन निमिया के डार मैया झुलेली झुलनवा हो कि झूमि झूमि ना। प्रारंभ करते ही दर्शकों ने तालियों से श्रद्धा का अभिवादन किया और मां की चुनरी तथा अनेक पुष्पगुच्छ देकर जोरदार जयकारा लगाया। जिससे गंगा तट पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने आनंद की अनुभूति की तत्पश्चात श्रद्धा पांडेय जब भक्त नहीं होंगे तो भगवान कहां होगा।

मलिनीया ले आओ माई खातिर हार बघवा नाचता

सुबह शाम आठो याम महादेव सगरी बम बम बोल रहा है काशी भोरवौ भोरवौ ना अनेक गीत गाकर आए हुए दर्शकों को झूमने और नाचने पर मजबूर कर दिया। दर्शकों ने श्रद्धा पांडे की घूर घूर कर प्रशंसा की और आयोजक मंडल संस्कृति विभाग को ढेरों शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपस्थित संस्कृति विभाग के अधिकारी संस्कृति डायरेक्टर सुभाष यादव ,अतुल जी , अजय शर्मा , रवि गुप्ता आदि उपस्थित रहे । अंत में मंदिर के महंत जी द्वारा आशीर्वाद प्राप्त हु संगतकार -तबला- अनिल राय ढोलक - अशोक कुमार गौड़ पैड - नन्हे सिंह और बैंजो- जिया राम वर्मा ने बहुत सुंदर संगत किया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं